

नागपूर महानगरपालिकेची शुक्रवार दिनांक 28/06/2019 रोजी सकाळी 10-00 वाजता श्रीमंत राजे रघोजीराव भोसले नगरभवनात भरलेल्या स्थगित विशेष सभेचे कार्यवृत्त.

उपस्थित सभासद

| अनु. क्र. | प्रभाग क्र. | अ/ब | मा. सदस्यांचे नांव                       | पद                | आसन क्रमांक |
|-----------|-------------|-----|------------------------------------------|-------------------|-------------|
| 1.        | 20          | ड   | दिपराज भैय्याजी पार्डीकर                 | महापौर(कार्यकारी) |             |
| 2.        | 1           | अ   | महेन्द्रप्रसाद रमेश धनविजय               | सदस्य             | C18         |
| 3.        | 1           | ब   | सुषमा संजय चौधरी                         | सदस्या            | A7          |
| 4.        | 1           | क   | प्रमिला प्रितम मथरानी                    | सदस्या            | C25         |
| 5.        | 1           | ड   | विरेन्द्र उर्फ विक्की घनश्यामदास कुकरेजा | सदस्य             | C19         |
| 6.        | 2           | अ   | भावना संतोष लोणारे                       | सदस्या            | D5          |
| 7.        | 2           | ब   | दिनेश बसंतलाल यादव                       | सदस्य             | D23         |
| 8.        | 2           | क   | नेहा राकेश निकोसे                        | सदस्या            | D11         |
| 9.        | 2           | ड   | मनोज दशरथ सांगोळे                        | सदस्य             | C5          |
| 10.       | 3           | अ   | परसराम काशीनाथ मानवटकर                   | सदस्य             | D22         |
| 11.       | 3           | ब   | गोपीचंद कृष्णराव कुमरे                   | सदस्य             | B13         |
| 12.       | 3           | क   | भाग्यश्री गणेश कानतोडे                   | सदस्या            | A8          |
| 13.       | 3           | ड   | खान नसीम बानो मो. इब्राहिम               | सदस्या            | C17         |
| 14.       | 4           | अ   | निरंजना महेश पाटील                       | सदस्या            | C21         |
| 15.       | 4           | ब   | शेषराव शंकरराव गोतमारे                   | सदस्य             | B19         |
| 16.       | 4           | क   | मनिषा चक्रधर अतकरे                       | सदस्या            | C22         |
| 17.       | 4           | ड   | राजकुमार पुनाराम साहु                    | सदस्य             | C13         |
| 18.       | 5           | क   | अभिरूची अनिल राजगिरे                     | सदस्या            | C24         |
| 19.       | 5           | ड   | संजय अरूणराव चावरे                       | सदस्य             | C14         |
| 20.       | 6           | अ   | जितेन्द्र भास्कर घोडेस्वार               | सदस्य             | D28         |
| 21.       | 6           | ब   | वंदना राजू चांदेकर                       | सदस्या            | D30         |
| 22.       | 6           | क   | वैशाली अविनाश नारनवरे                    | सदस्या            | D31         |
| 23.       | 6           | ड   | मो. इब्राहिम तौफीक अहमद                  | सदस्य             | D29         |
| 24.       | 7           | अ   | विरंका मुरलीधर भिवगडे                    | सदस्या            | D32         |
| 25.       | 7           | ब   | शेख मोहम्मद जमाल मोहम्मद इब्राहीम        | सदस्य             | C2          |
| 26.       | 7           | क   | मंगला योगीराज लांजेवार                   | सदस्या            | D33         |
| 27.       | 7           | ड   | संदीप प्रल्हाद सहारे                     | सदस्य             | C6          |
| 28.       | 8           | अ   | आशा नेहरू उईके (आयेशा)                   | सदस्या            | D8          |
| 29.       | 8           | क   | जिज्ञानमुमताज मो. इरफान अंसारी           | सदस्या            | D10         |
| 30.       | 8           | ड   | भुट्टो जुल्फेकार अहमद                    | सदस्य             | C7          |
| 31.       | 9           | अ   | स्नेहा विवेक निकोसे                      | सदस्या            | D7          |
| 32.       | 9           | ब   | संजय श्यामराव बुरेवार                    | सदस्य             | D35         |

| अनु. क्र. | प्रभाग क्र. | अ/ब | मा. सदस्यांचे नांव              | पद     | आसन क्रमांक |
|-----------|-------------|-----|---------------------------------|--------|-------------|
| 33.       | 9           | क   | ममता महेश सहारे                 | सदस्या | D34         |
| 34.       | 9           | ड   | नरेन्द्र नत्थुजी वालदे          | सदस्य  | D36         |
| 35.       | 10          | अ   | साक्षी विपीन राऊत               | सदस्या | D12         |
| 36.       | 10          | ब   | रश्मि निलमनी धुर्वे             | सदस्या | D13         |
| 37.       | 10          | क   | नितिश गंगाप्रसाद ग्वालवंशी      | सदस्य  | D21         |
| 38.       | 10          | ड   | गार्गि प्रशांत चोपरा            | सदस्या | D14         |
| 39.       | 11          | अ   | संदिप चंद्रभान जाधव             | सदस्य  | B1          |
| 40.       | 11          | ब   | संगीता दिपक गिन्हे              | सदस्या | A6          |
| 41.       | 11          | क   | अर्चना विवेक पाठक               | सदस्या | C30         |
| 42.       | 11          | ड   | भूषण कृष्णराव शिंगणे            | सदस्य  | B9          |
| 43.       | 12          | अ   | दर्शनी स्वानंद धवड              | सदस्या | D15         |
| 44.       | 12          | क   | हरीश मोहन ग्वालवंशी             | सदस्य  | D20         |
| 45.       | 13          | अ   | अमर हरीष बागडे                  | सदस्य  | C15         |
| 46.       | 13          | ब   | रूतिका योगेश मसराम              | सदस्या | C27         |
| 47.       | 13          | ड   | वर्षा जयंत ठाकरे                | सदस्या | A5          |
| 48.       | 14          | अ   | शिल्पा इशांत धोटे               | सदस्या | C29         |
| 49.       | 14          | ब   | प्रमोद ताराचंद कौरती            | सदस्य  | B40         |
| 50.       | 14          | क   | कमलेश दिलीप चौधरी               | सदस्य  | D17         |
| 51.       | 14          | ड   | प्रगती अजय पाटील                | सदस्या | A1          |
| 52.       | 15          | अ   | सुनिल दुलीचंद हिरणवार           | सदस्य  | B39         |
| 53.       | 15          | ब   | उज्वला प्रकाश शर्मा             | सदस्या | C26         |
| 54.       | 15          | क   | रूपा शेखर राय                   | सदस्या | A18         |
| 55.       | 15          | ड   | संजय अनंत बंगाले                | सदस्य  | B11         |
| 56.       | 16          | अ   | लखन सुमेरा येरवार               | सदस्य  | C20         |
| 57.       | 16          | ब   | वनिता सुनिल दांडेकर             | सदस्या | A21         |
| 58.       | 16          | क   | तारा (लक्ष्मी) ओमप्रकाश यादव    | सदस्या | A20         |
| 59.       | 16          | ड   | संदीप दिवाकर जोशी               | सदस्य  | B4          |
| 60.       | 17          | अ   | विजय गोपालराव चुटेले            | सदस्य  | B20         |
| 61.       | 17          | ब   | लता सुनिल काडगाये               | सदस्या | A19         |
| 62.       | 17          | क   | हर्षला मनोज उर्फ मोरेश्वर साबळे | सदस्या | D2          |
| 63.       | 17          | ड   | प्रमोद छत्रपाल चिखले            | सदस्य  | B21         |
| 64.       | 18          | अ   | प्रवीण प्रभाकर दटके             | सदस्य  | B2          |
| 65.       | 18          | ब   | सुमेधा श्रीकांत देशपांडे        | सदस्या | A22         |
| 66.       | 18          | क   | नेहा नरेन्द्र वाघमारे           | सदस्या | A23         |
| 67.       | 18          | ड   | ऋषिकेश (बंटी) नारायण शेळके      | सदस्य  | D26         |
| 68.       | 19          | अ   | संजयकुमार कृष्णराव बालपांडे     | सदस्य  | B14         |
| 69.       | 19          | ब   | विद्या राजेश कन्हारे            | सदस्या | A9          |
| 70.       | 19          | क   | सरला कमलेश नायक                 | सदस्या | A24         |

| अनु. क्र. | प्रभाग क्र. | अ/ब | मा. सदस्यांचे नांव            | पद     | आसन क्रमांक |
|-----------|-------------|-----|-------------------------------|--------|-------------|
| 71.       | 19          | ड   | दयाशंकर चंद्रशेखर तिवारी      | सदस्य  | B3          |
| 72.       | 20          | ब   | यशश्री देवराम नंदनवार         | सदस्या | A10         |
| 73.       | 21          | ब   | नितीन रामभाऊ साठवणे           | सदस्य  | D24         |
| 74.       | 21          | क   | आभा विजयकुमार पांडे           | सदस्या | D1          |
| 75.       | 21          | ड   | महेश केशवराव महाजन            | सदस्य  | B22         |
| 76.       | 22          | अ   | राजेश श्रावणजी घोडपागे        | सदस्य  | B15         |
| 77.       | 22          | ब   | वंदना वसंतराव यंगटवार         | सदस्या | A27         |
| 78.       | 22          | क   | श्रद्धा विजय पाठक             | सदस्या | A28         |
| 79.       | 22          | ड   | मनोज केशवराव चापले            | सदस्य  | B23         |
| 80.       | 23          | ब   | मनिषा आशिष धावडे              | सदस्या | A29         |
| 81.       | 23          | क   | नरेंद्र (बाल्या) गोविंद बोरकर | सदस्य  | B5          |
| 82.       | 23          | ड   | दुनेश्वर सूर्यभान पेठे        | सदस्य  | C3          |
| 83.       | 24          | अ   | अनिल शौकीलाल गेंडरे           | सदस्य  | B24         |
| 84.       | 24          | ब   | सरिता ईश्वर कावरे             | सदस्या | A13         |
| 85.       | 24          | क   | चेतना राजू टांक               | सदस्या | A3          |
| 86.       | 24          | ड   | प्रदीप वसंतराव पोहाणे         | सदस्य  | B16         |
| 87.       | 25          | अ   | जयश्री योगेश्वर रारोकर        | सदस्या | A30         |
| 88.       | 25          | ब   | पुरुषोत्तम नागोराव हजार       | सदस्य  | D19         |
| 89.       | 25          | क   | वैशाली देवचंद रोहणकर          | सदस्या | A31         |
| 90.       | 25          | ड   | दिपक मोतीरामजी वाडीभस्मे      | सदस्य  | B25         |
| 91.       | 26          | अ   | धर्मपाल नथुजी मेश्राम         | सदस्य  | B26         |
| 92.       | 26          | ब   | समिता राजेन्द्र चकोले         | सदस्या | A32         |
| 93.       | 26          | क   | मनिषा सुनिल कोठे              | सदस्या | A12         |
| 94.       | 26          | ड   | जितेंद्र धनराज कुकडे          | सदस्य  | B27         |
| 95.       | 27          | अ   | तानाजी सुकलाजी वनवे           | सदस्य  | C8          |
| 96.       | 27          | ब   | दिव्या दिपक धुरडे             | सदस्या | A2          |
| 97.       | 27          | क   | वंदना राजेश भुरे              | सदस्या | A33         |
| 98.       | 27          | ड   | हरिष सिताराम दिकोंडवार        | सदस्य  | B17         |
| 99.       | 28          | अ   | किशोर रतनलाल कुमेरिया         | सदस्य  | D4          |
| 100.      | 28          | ब   | मंगलाबाई प्रशांत गवरे         | सदस्या | D3          |
| 101.      | 28          | ड   | विजय शंकरराव झलके             | सदस्य  | B28         |
| 102.      | 29          | अ   | लीला अजय हाथीबेड              | सदस्या | A35         |
| 103.      | 29          | ब   | विद्या योगेश मडावी            | सदस्या | A36         |
| 104.      | 29          | क   | भगवान भाऊराव मेंढे            | सदस्य  | B29         |
| 105.      | 29          | ड   | स्वाती चंद्रकांत आखतकर        | सदस्या | A14         |
| 106.      | 30          | अ   | नागेश गोविंदराव सहारे         | सदस्य  | B30         |
| 107.      | 30          | ब   | रिता अशोक मुळे                | सदस्या | A15         |
| 108.      | 30          | क   | स्नेहल सतीश बिहारे            | सदस्या | A37         |

| अनु. क्र. | प्रभाग क्र. | अ/ब | मा. सदस्यांचे नांव           | पद     | आसन क्रमांक |
|-----------|-------------|-----|------------------------------|--------|-------------|
| 109.      | 30          | ड   | संजय मधुकर महाकाळकर          | सदस्य  | C1          |
| 110.      | 31          | अ   | उषा टॉबी पॅलट                | सदस्या | A38         |
| 111.      | 31          | क   | शीतल प्रशांत कामडे           | सदस्या | A39         |
| 112.      | 32          | अ   | अभय प्रल्हाद गोटेकर          | सदस्य  | B31         |
| 113.      | 32          | ब   | कल्पना राम कुंभलकर           | सदस्या | C36         |
| 114.      | 32          | क   | रूपाली प्रशांतसिंह ठाकुर     | सदस्या | C37         |
| 115.      | 32          | ड   | दिपक मारोतराव चौधरी          | सदस्य  | B18         |
| 116.      | 33          | ब   | भारती विकास बुंडे            | सदस्या | C39         |
| 117.      | 33          | क   | विशाखा शरद बान्ते            | सदस्या | C40         |
| 118.      | 33          | ड   | मनोजकुमार धोंडुजी गावंडे     | सदस्य  | D25         |
| 119.      | 34          | अ   | नागेश महादेव मानकर           | सदस्य  | B32         |
| 120.      | 34          | ब   | राजेन्द्र विठ्ठलराव सोनकुसरे | सदस्य  | B33         |
| 121.      | 34          | क   | माधुरी प्रवीण ठाकरे          | सदस्या | C31         |
| 122.      | 34          | ड   | मंगला शशांक खेकरे            | सदस्या | C32         |
| 123.      | 35          | अ   | संदीप रमेश गवई               | सदस्य  | B34         |
| 124.      | 35          | ब   | जयश्री मोहन वाडीभस्मे        | सदस्या | A16         |
| 125.      | 35          | क   | विशाखा प्रकाश मोहोड          | सदस्या | C33         |
| 126.      | 35          | ड   | अविनाश निलकंठ ठाकरे          | सदस्य  | B12         |
| 127.      | 36          | अ   | मिनाक्षी नितीन तेलगोटे       | सदस्या | C34         |
| 128.      | 36          | ब   | पल्लवी अशोक श्यामकुळे        | सदस्या | A17         |
| 129.      | 36          | क   | लहुकूमर दत्तुजी बेहते        | सदस्य  | B35         |
| 130.      | 36          | ड   | प्रकाश सिताराम भोयर          | सदस्य  | B36         |
| 131.      | 37          | अ   | प्रमोद हरिभाऊ तभाने          | सदस्य  | B37         |
| 132.      | 37          | ब   | सोनाली शालीक कडु             | सदस्या | C35         |
| 133.      | 37          | ड   | दिलीप वामनराव दिवे           | सदस्य  | B38         |
| 134.      | 38          | अ   | उज्वला वसंतराव बनकर          | सदस्या | D6          |
| 135.      | 38          | ब   | प्रफुल्ल विनोदराव गुडधे      | सदस्य  | C4          |
| 136.      | 38          | क   | प्रणिता चंद्रप्रकाश शहाणे    | सदस्या | D16         |
| 137.      | ना.स.       |     | अग्रवाल सुनिल जिवराज         | सदस्य  | C9          |
| 138.      | ना.स.       |     | वानखेडे किशोर रामकृष्ण       | सदस्य  | C11         |
| 139.      | ना.स.       |     | गांधी निशांत गिरीश           | सदस्य  | C12         |
| 140.      | ना.स.       |     | किशोर दामोदर जिचकार          | सदस्य  | D9          |

अनुपस्थित सभासद

| अनु. क्र. | प्रभाग क्र. | अ/ब | मा. सदस्यांचे नांव | पद     | आसन क्रमांक |
|-----------|-------------|-----|--------------------|--------|-------------|
| 1.        | 37          | क   | नंदा शरद जिचकार    | महापौर |             |
| 2.        | 5           | अ   |                    | सदस्य  |             |

|     |       |   |                                     |        |     |
|-----|-------|---|-------------------------------------|--------|-----|
| 3.  | 5     | ब | प्रविण विलासराव भिसीकर              | सदस्य  | B10 |
| 4.  | 8     | ब | अंसारी सय्यदा बेगम मो.निजामुद्दीन   | सदस्या | D27 |
| 5.  | 12    | ब | माया चिंतामन इवनाते                 | सदस्या | A4  |
| 6.  | 12    | ड |                                     | सदस्य  | B8  |
| 7.  | 13    | क | परिणिता परिणय फुके                  | सदस्या | C28 |
| 8.  | 20    | अ | शकुंतला वामन पारवे                  | सदस्या | A25 |
| 9.  | 20    | क | रमेश गणपती पुणेकर                   | सदस्य  | D18 |
| 10. | 21    | अ | ज्योती श्रीधर भिसीकर                | सदस्या | A26 |
| 11. | 23    | अ | कांता राधेश्याम रारोकर              | सदस्या | A11 |
| 12. | 28    | क | रेखा राजु साकोरे                    | सदस्या | A34 |
| 13. | 31    | ब | सतीश विठ्ठलराव होले                 | सदस्य  | B6  |
| 14. | 31    | ड | रविंद्र प्रभाकर भोयर                | सदस्य  | B7  |
| 15. | 33    | अ | वंदना भानुदास भगत                   | सदस्या | C38 |
| 16. | ना.स. |   | पोकुलवार गणेश उर्फ (मुन्ना) रामन्ना | सदस्य  | C10 |

उपस्थित अधिकारी

श्री. अभिजीत बांगर आयुक्त  
श्री. हरीश दुबे निगम सचिव  
मा. महापौर यांनी सभेची कार्यवाही सुरु केली.

**ठराव क्रमांक :- ४०९ - नागपूर महानगरपालिकेचे सन २०१८-२०१९ चे सुधारीत व सन २०१९-२०२० चे प्रस्तावित अंदाजपत्रकात “अ” व “क” स्थायी समिती ठराव क्र. ९०३ दि. २८/०२/२०१९ प्रस्तावित अर्थसंकल्प परिवहन समिती “ब” ठराव क्र. १११ दि. १८/०६/२०१९ अन्वये अध्यक्ष, स्थायी समिती यांना दिलेल्या अधिकारानुसार सन २०१८-२०१९ चे सुधारीत व सन २०१९-२०२० चे प्रस्तावित अर्थसंकल्पातील आयुक्त द्वारा प्रस्तावित अर्थसंकल्पातील आवश्यक बाबी लक्षात घेवून अर्थसंकल्पात योग्य अशा फेरफाराच्या व यामध्ये करावयाच्या वाढीसह आणि दुरुस्तीसह महाराष्ट्र महानगरपालिका अधिनियम कलम ९६(४) तसेच परिवहन समितीद्वारा प्रस्तावित आवश्यक त्या अभिप्राय व शिफारसीसह महाराष्ट्र महानगरपालिका अधिनियम कलम ९८(३) अन्वये म.न.पा. सभागृहाकडे प्रस्तावित “अ”, “क” आणि “ब” अर्थसंकल्पीय अंदाजाच्या अंतिम स्विकृतीचा प्रश्न सभागृहाने विचारात घेतला**

++ ++ ++ ++

महापौर:-चर्चेला सुरुवात करण्यात येते. पक्षनिहाय जी वेळ दिलेली आहे त्याचे वाचन निगम सचिवांनी करावे.

निगम सचिव:-मा.महापौरजी, भारतीय जनता पार्टी मा.सदस्य संख्या 108 + 4 = 122 पक्षनिहाय चर्चेकरिता वेळ 5 तास 2 मिनिटे. भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस पक्ष मा.सदस्य संख्या 29 + 1 = 30 पक्षनिहाय चर्चेकरिता प्रस्तावित वेळ 1 तास 34 मिनिटे. बहुजन समाज पक्ष सदस्य संख्या 10, पक्षनिहाय चर्चेकरिता प्रस्तावित वेळ 44 मिनिटे. शिवसेवा मा.सदस्य संख्या 2 पक्षनिहाय चर्चेकरिता प्रस्तावित वेळ 8 मिनिटे. राष्ट्रवादी काँग्रेस पक्ष मा.सदस्य संख्या 1 पक्षनिहाय चर्चेकरिता प्रस्तावित वेळ 4 मिनिटे. अपक्ष मा.सदस्य संख्या 1 पक्षनिहाय चर्चेकरिता प्रस्तावित वेळ 4 मिनिटे. याप्रमाणे पक्षाकरिता वेळ निर्धारित करण्यात आली आहे.

महापौर:- सर्व गटनेत्याने चर्चेकरिता मा.सदस्यांचे नाव द्यावे. आपण चर्चेला सुरुवात करीत आहे.

श्री.प्रकाश भोयर:-मा.महापौरजी, मा.महापौरजी, मा. सत्तापक्ष नेते, मा.विरोधी पक्ष नेते मा.स्थायी समिती अध्यक्ष, मा. आयुक्त महोदय. आज मी स्थायी समिती अध्यक्ष यांनी मांडलेल्या अंदाजपत्रकाचे समर्थन करण्याकरिता उभा आहे. मा.महापौरजी, सर्वप्रथम मी आपल्या देशाचे मंत्री आणि महाराष्ट्राचे मुख्यमंत्री या दोन्ही लोकांचे अभिनंदन करतो, त्यांना प्रणाम करतो कारण महाराष्ट्राच्या मुख्यमंत्र्यांनी या नागपूर शहरामध्ये आपल्याला फक्त 60 ते 65 कोटी एलबीटीच्या माध्यमातून मिळायचे त्यात भरघोष वाढ करून 18 कोटीपर्यंत ही भरघोष वाढ केली त्यामुळे या नागपूर शहरामध्ये जो आर्थिक तुटवडा जाणवत होता तो यानंतर अशीच वाढ या नागपूर शहराचे मुख्यमंत्री असल्यामुळे कदाचित पुन्हा पुन्हा वाढ करतील आणि आपण सुध्दा पैसे घेवून नागपूर शहराचा विकास करण्याचा प्रयत्न करू. त्याचप्रमाणे अंदाजपत्रकात काही गोष्टी नमुद करण्यात आल्या आहेत की टॅक्सच्या बाबतीत जर विचार केला तर जवळपास 531 कोटीचे उत्पन्न आपल्याला या वर्षभरात मिळेल असा अंदाज दर्शविलेला आहे. मी लक्ष्मीनगर झोनचा सभापती आहे. सभापती या नात्याने मी तिस-यांदा सभापती झाल्यानंतर या पुर्ण झोनची बैठक घेतली. यामध्ये बरेच कर्मचारी असे आहेत की ज्यांना म्युटेशनच्या कामामध्ये जास्त इन्ट्रेस आहे आणि लोकांकडून टॅक्स आणण्यास कोणताही इन्ट्रेस दिसत नाही. स्थिती अशी आहे 531 कोटीचे टारगेट हे टॅक्स विभागातील सर्व कर्मचा-यांना गृहीत धरले तरी हे उत्पन्न मिळवू शकतील हे शक्य वाटत नाही. आपल्याला ब-याच गोष्टीसाठी प्रयत्न करावा लागेल. यासाठी अनेक गोष्टी कराव्या लागतील, अनेक बैठका घ्याव्या लागतील. मा.स्थायी समिती अध्यक्षांना विनंती करतो त्यांनी सुध्दा प्रत्येक झोनमध्ये जावून टॅक्सची बैठक घ्यावी. आपल्याला मागच्या वर्षी 250 कोटी टॅक्स मिळालेला आहे तोच 531 कोटी पर्यंत करावयाचा असेल तर मी सर्व अधिका-यांना विनंती करतो त्यांनी जास्तीत जास्त याकरिता प्रयत्न करण्याची गरज आहे. त्याचप्रमाणे टॅक्समध्ये लक्ष्मीनगर झोनचा सभापती या नात्याने सांगू इच्छितो की प्रत्येक लोक हे टॅक्स भरण्यास इच्छुक असतात. आजही अशी परिस्थिती आहे, अद्यापही लोकांपर्यंत बील पोहचलेले नाही. हे बील जोपर्यंत लोकांपर्यंत जात नाही तोपर्यंत हे होवू शकत नाही. लोक पहिल्या दिवसापासूनच टॅक्स भरण्यासाठी इच्छुक असतात, ते नगरसेवकांना विचारतात की बील कां पाठविण्यात आले नाहीत. टॅक्स भरण्यासाठी बील द्या, परंतु आपल्याकडून बरेच वेळा दिरंगाई होते. मा.महापौरजी, आपल्याला विनंती आहे लवकरात लवकर या बीलाचा पुरवठा या नागपूर शहराच्या जनतेपर्यंत व्हावा या माध्यमातून हा प्रयत्न केला तर कदाचित जास्तीत जास्त उत्पन्न वाढण्यास मदत होईल. सिमेंट रस्त्याचे 11 पॅकेजेस ठेवले होते त्यापैकी 10 पॅकेजेस काम चालू आहे असे सर्व या अंदाजपत्रकात सांगितले गेले आहे. मा.महापौरजी, सुटलेले कामे असे आहे, पावसाळी नाही, रेनवॉटर हार्वेस्टिंग, सध्याच्या परिस्थितीमध्ये रेनवॉटर हार्वेस्टिंगकडे जास्तीत जास्त लक्ष देण्याची गरज आहे. कारण आपल्याला माहीत असेल देशाच्या दृष्टीकोनातून, जगाच्या दृष्टीकोनातून जर विचार करावयाचा असेल तर साऊथ आफ्रिकेचे एक शहर आहे केपटाऊन. या शहरामध्ये जेव्हा आपली भारतीय टीम जेव्हा टेस्ट मॅच खेळण्याकरिता गेली होती. तेव्हा तेथे पाणी उपलब्ध नव्हते कारण ते झिरो डेनसिटीचे शहर होते. पाण्याची व्यवस्था नसल्यामुळे तेथे पीचवर पाणी मारण्यासाठी सुध्दा पाणी नव्हते. मा.महापौरजी. याकरिता रेनवॉटर हार्वेस्टिंगकडे जास्तीत जास्त लक्ष देण्याची गरज आहे. झोन स्तरावर आपण पंडीत दिनदयाल उपाध्याय रस्ते विकास महामंडळाच्या प्रत्येक प्रभागासाठी 20 लक्ष दिले त्यासाठी मा.स्थायी समिती अध्यक्षांचे धन्यवाद करतो. प्रत्येक नगरसेवकांना 5 लक्ष रु. दिलेले आहे. आतापर्यंत नगरसेवकांना रस्त्यासाठी 27 लक्ष रु. मिळायचे त्यात 5 लक्षाची भर या अंदाजपत्रकात टाकली आहे त्याकरिता स्थायी समिती अध्यक्षांचे अभिनंदन करतो आणि पुनश्च सर्व नगरसेवकांमार्फत त्यांचे आभार मानतो. मा.महापौरजी, खेडे

विभागात आपण 12 कोटी रुपयाची व्यवस्था केली. आपल्याला माहीत असेल नागपूर महानगरपालिका जेव्हा अस्तित्वात येत होती तेव्हा या शहरातील लोकसंख्या अपूरी पडत होती त्यामध्ये नागपूर शहरातील 32 खेडी नागपूर महानगरपालिकेत समाविष्ट करण्यात आली. समाविष्ट करण्यात आलेल्या खेडी कडे पुर्णपणे दुर्लक्ष करण्यात आले आणि खेडी ही मागे पडली. मी शिवणगाव येथील कार्यकर्ता असल्यामुळे मला हे माहीत आहे. आजही शिवणगाव हे शहरात येत असेल तरी तेथे कोणत्याही प्रकारच्या सुविधा नाहीत. आज चिंचभवन झाले, सोनेगांव झाले आणि जयताळा झाले. जयताळा येथे स्थानिक नगरसेवक असल्यामुळे त्याचा विकास करण्यात आला. बाकीची खेडी तशीच राहिली. त्या खेड्याकडे दुर्लक्ष करण्यात आले. मी परत एकदा स्थायी समिती अध्यक्षांचे अभिनंदन करतो, स्थायी समिती अध्यक्षांनी 12 कोटी रुपयाची भरघोष तरतूद केली. 12-12 कोटी रु. त्या खेड्याकरिता राखीव ठेवले. 12 कोटी हे त्या खेड्यावरतीच खर्च करण्यात यावे अशी मी आपल्याला विनंती करतो. मा.महापौरजी, आपण महानगरपालिकेच्या बंद पडलेल्या शाळेमध्ये बाजार मॉल निर्माण करण्याचे ठरविले आहे. हे बाजार मॉल कुठकुठे करण्याचे ठरविले आहे. मी आपल्याला सांगू इच्छितो, दक्षिण पश्चिम क्षेत्राचा मी कार्यकर्ता असल्यामुळे मी सांगतो, आमच्या दक्षिण पश्चिमचे चित्र सांगतो, येथे एकही ऑथेन्टिक बाजार नाही. जर जयप्रकाश नगर, चिंचभवन येथे कुठल्या बाजारात भाजीपाला घेण्यासाठी किंवा फळे घेण्यासाठी जायचे असेल तर जायचे कुठे हा मोठा प्रश्न आहे. दक्षिण पश्चिम मध्ये कुठलाही ऑथेन्टिक असा बाजार नाही. त्यामुळे स्थिती अशी आहे आपण अनेकदा ठेल्यावरती किंवा अनेक बाजार शनीवार बाजार, मंगळवार बाजार, बुधवार बाजार असे अनेक बाजार भरतात. गोपाल नगर रस्त्यावर दोन्ही बाजूला रांगांच्या रांगा लावून बाजार भरतो त्यामुळे लोकांना जाण्यायेण्यास त्रास होतो. खामला रस्ता सुध्दा असाच भरून राहतो. महानगरपालिकेच्या माध्यमातून ऑथेन्टिक बाजार नसल्यामुळे लोक ठेले जर लावत असतील तर त्यात चुक ही महानगरपालिकेची आहे. महानगरपालिकेने जर ऑथेन्टिक बाजार दिले असते तर मला वाटत नाही त्या रस्त्यावर कुणी व्यवसाय करू शकतील. मला बाजार घ्यावयाचा असेल तर मी बाजारात जावू कुठे. मी कॉटन मार्केटला जावू शकत नाही. मला माझ्या घराजवळ बाजार असावा आणि तोही ऑथेन्टिक बाजार असावा. म्हणून माझी या सभागृहाला विनंती आहे. दक्षिण पश्चिममध्ये माझ्या प्रभागात दोन महानगरपालिकेच्या शाळा बंद आहेत. मा.महापौरजी, एक सोमलवाडा येथील शाळा बंद आहे आणि दुसरी सोनेगाव येथे शाळा बंद आहे. माझ्या माहितीप्रमाणे एक नवीन प्रोजेक्ट तयार होत आहे त्यामध्ये विशिष्ट मार्केट तयार होत आहे त्याला व्हायला 5-10 वर्षे लागत असेल तर आजच्या परिस्थितीत आपण जर या सोमलवाडा शाळेत एक बाजार निर्माण करून दिला तर तेथे लोकांना एक ऑथेन्टिक बाजार मिळाला तर लोक तेथे जातील. म्हणून या अंदाजपत्रकामध्ये ही गोष्ट नमुद करण्यात आली त्याबद्दल सुध्दा स्थायी समिती अध्यक्ष यांचे अभिनंदन करतो. त्याचप्रमाणे मा.महापौरजी, सोलर वॉटर हिटर बाबत आपण 50 टक्के सबसिडी देण्याचे कबुल केले आहे ही गोष्ट अभिनंदनीय आहे. कारण सोलर वॉटर हिटर त्यामध्ये 1252 लोकांना सोलर हिटर देणार आहे यामध्ये फर्स्ट कम फर्स्ट सर्विस ही पध्दत आहे त्यामुळे कुणीही आले आणि कधीही घेवून गेले असे होणार नाही. जास्तीत जास्त 1252 लोकांना वाढवून देणार असाल तर ही अभिनंदनीय गोष्ट आहे. त्याचप्रमाणे क्रिडांगणाचा विषय आहे. मा.महापौरजी, 11 कोटी रु. आपल्या माध्यमातून देण्यात आले आहे यासाठी मी पुन्हा एकदा स्थायी समिती चेअरमनचे अभिनंदन करतो. असे म्हटले जाते, ज्या माणसाचे शरीर चांगले आहे तो धर्माचे काम चांगले करू शकतो. माझी विनंती आहे, नागपूर शहरामध्ये अनेक गार्डन आहेत. आदरणीय नितीनजी आणि आदरणीय फडणवीसजी यांच्या माध्यमातून नागपूर शहरात गार्डन तयार करण्यात येत आहेत. जे 11 कोटी रु. महानगरपालिकेच्या माध्यमातून दिले ते अभिनंदनास पात्र आहेत. प्रभागात

यावर्षी झोन सभापतीला आपण 20 लक्ष रु. वेगवेगळ्या प्रभागात काही प्राब्लेम असल्यास खर्च करण्याकरिता दिले मी त्यातही स्थायी समिती अध्यक्षांचे अभिनंदन करतो. अभिनंदन याकरिता करतो मी मागच्या दोन वेळेस सभापती होतो आणि आता तिस-यांदा सभापती झालो आहे. दोन वर्ष मी झोनमध्ये एकही काम करू शकतो नाही. मी दक्षिण पश्चिम क्षेत्रातील कार्यकर्ता आणि नगरसेवक असल्यामुळे काम करण्याचा प्रयत्न करीत असतो. दोन वर्ष जेव्हा मी सभापती होतो तेव्हा काहीच पैसे त्यामध्ये नव्हते आणि सभापती म्हणून झोनमध्ये असतांना मला नेहमी असे वाटायचे की मी ओसाड गावचा एक पाटील आहे. यावेळेस मात्र 20 लक्ष दिले परंतु मा.महापौरजी एका झोनमध्ये जवळपास 15 ते 16 नगरसेवक असतात. 15-16 नगरसेवकांसाठी आपण जर जास्तीत जास्त 20 लक्षावरून 50 लक्षाचा निधी वाढवून दिला तर बरे होईल. 20 लक्ष रु.फक्त नगरसेवकांना देत असाल आणि कुठे गडरलाईन करण्यासाठी नगरसेवकांनी मागणी केली तर त्यातच पुर्ण राशी संपून जाईल म्हणून कमीतकमी 50 लक्ष रु. मा. स्थायी समिती अध्यक्षांनी जर दिले तर भविष्यात झोन सभापती होण्याची इच्छा होईल. यामध्ये भरीव वाढ करण्यात यावी. यावेळेस पुन्हा अभिनंदनीय बाब अशी आहे. मेट्रो वॉल ही जवळपास 70 टक्के ही प्रभाग क्र. 36 मधून जाते. मी प्रभाग क्र. 36 चा नगरसेवक आहे. या मेट्रो वॉलमध्ये 60 लक्ष रु. दिले आहे. मेट्रो वॉल ही दोन-तीन वर्षात तयार होईल अशी स्थिती आहे. ही अभिनंदनीय बाब आहे. सहकार नगर घाटावर आता डिझेल वाहिनी आणि सौंदर्यीकरणासाठी मा. मुख्यमंत्री विशेष निधीतून 1 कोटी 60 रु. सॅगशन झाले आहे. आपल्याही माध्यमातून सुधारणा होईल त्यामुळे आजूबाजूच्या वस्तीला कोणताही प्रकारचा प्रदुषणाचा त्रास होणार नाही याची काळजी आपण घ्यावी. त्याचप्रमाणे मा.महापौरजी, तलावाचे पुर्नजीवन संबंधित आपण सोनेगाव तलाव, गांधीसागर तलावाकरिता 29 करोड 52 लक्ष रु. दिले आहे. सोनेगाव तलावासाठी सरकारचे पैसे येवून पडले आहे आणि तो तलाव मेट्रोला डेव्हलप करण्याकरिता दिला आहे. मेट्रो कडे विचारणा झाल्यावर असे सांगते की ते कागदपत्रे आमच्याकडे हस्तांतरीत झाले नाही. सरकारकडून आलेले पैसे येवून पडले आहे. माझी या सभागृहाला विनंती आहे या सोनेगाव तलावाच्या पुर्नजीवन व सौंदर्यीकरणाकरिता 14.50 कोटी रु. जे आलेले आहे. तो पैसा आणि त्याचे कागदपत्रे लवकरात लवकर जर मेट्रोकडे हस्तांतरीत केले तर याबाबत मी मा.महापौरजी, पदाधिकारी आणि आयुक्तांना विनंती करतो की हे पैसे आणि कागदपत्रे मेट्रोला लवकरात लवकर हस्तांतरीत झाले तर त्या सोनेगाव तलावाचा विकास लवकरात लवकर होईल. मा.महापौरजी, नागपूर महानगरपालिकेच्या माध्यमातून 111 ठिकाणी ग्रीन जीम लागले आहे. आदरणीय नितीनजी आणि देवेंद्रजी यांच्या माध्यमातून प्रभागामध्ये असंख्य ग्रीन जीम लागलेले आहेत. त्या ग्रीन जीममध्ये महिला व्यायाम करतांना दिसतात ही अभिनंदनीय बाब आहे. या शहरातील छोट्या छोट्या ग्राऊंडमध्ये ग्रीन जीम लागावे याचा दोन्ही नेत्यांनी विचार केला आहे. आपल्या माध्यमातून त्यामध्ये काही ना काही वाढ होण्याची गरज आहे. रेन वॉटर हार्वेस्टिंग कर्नाटकच्या धर्तीवरती जे ग्राऊंड आहेत त्याचा विचार केला आहे. आपल्याकडे ग्राऊंड किती आहेत. आपण जास्तीत जास्त 15 टक्के जागा एखाद्या लेआऊटमध्ये सोडतो. काही ओपन स्पेस सोडण्याचा प्रयत्न करतो. या शहरामध्ये किती तरी ग्राऊंड गिळंकृत झाले आहेत. जरी रेन वॉटर हार्वेस्टिंगकरिता ग्राऊंडचा विचार केला तरी ही अभिनंदनीय बाब आहे आणि त्याकरिता 5 कोटी रु. ठेवले. रेनवॉटर हार्वेस्टिंग ही काळाची गरज आहे मा.महापौरजी. नागपूर शहरामध्ये किती घरे आहेत तर जवळपास 6 लक्ष प्रापटी आहेत. या सर्व लोकांना रेनवॉटर हार्वेस्टिंगकरिता जितकी जबरदस्ती करता येईल तितकी करून ते करण्याची गरज आहे. आजच आमचे देवेंद्रजी हे किती दुरदृष्टी असणारे नेते आहेत. तोतलाडोह तलावात पाणी येणे कमी झाले होते. त्याकरिता मंत्रीमंडळात निर्णय झाला. तो निर्णय असा झाला. वैनगंगा नदीचे पाणी अंडरग्राऊंडिंग करून तोतलाडोह तलावाला देण्यात यावे. दुरदृष्टी असणारे



आणि विकासाच्या दृष्टीकोनातून भविष्याचा विचार करण्याचे नेतृत्व असणारे नेते असल्यामुळे या नागपूर शहराला पाण्याची टंचाई भासणार नाही. त्याचप्रमाणे मी स्थायी समिती अध्यक्षांचे अभिनंदन याठिकाणी करेल की त्यांनी झोन स्तरावर अतिक्रमण काढण्याचे अधिकार दिले आहे. झोन स्तरावर अतिक्रमण काढण्याचे अधिकार दिल्यामुळे याचा फायदा असा आहे.. ज्या ज्या भागामध्ये रोज अतिक्रमण होत होते ते दूर केले जाईल. आमच्या येथे सोनेगाव, खामला आणि प्रतापनगर रोड या रस्त्यावर इतक्या मोठ्या प्रमाणात अतिक्रमण होते. दर वेळेस आम्हांला विचार करावा लागत होता की कधी महानगरपालिकेचा अतिक्रमण दस्ता येईल आणि हे सर्व घेवून जाईल. आणि यावर्षी या बजेटमध्ये या अनुषंगाने प्रावधान केले ही अभिनंदनीय बाब आहे. मला एक अजून सांगावयाचे आहे. आपल्या नागपूर शहरात जेसीपी आणि टिप्पर येवून पडलेले आहे अशी माहिती आहे. ज्या जेसीपी आणि टिप्परद्वारे अतिक्रमण दूर करण्याकरिता जेसीपी, टिप्परची आवश्यकता आहे. या जेसीपी, टिप्पर खरेदीकरिता खर्च आहे तो 50-60 लक्ष रुपये आपण दिले त्याबद्दल आपले अभिनंदन करतो. त्याचबरोबर आपल्या या सर्व बाबी अंदाजपत्रकात आहेत. आपण सर्व समावेशक असा अभ्यास केला आणि नागपूर शहरात जास्तीत जास्त विकास करण्याचा प्रयत्न आपण आपल्या माध्यमातून केला त्याबद्दल मी स्थायी समिती अध्यक्ष आणि सर्व पदाधिका-यांचे अभिनंदन करतो. या नागपूर शहराच्या विकास कार्यात या वर्षी पुन्हा भर पडेल अशी अपेक्षा व्यक्त करतो. धन्यवाद

श्री.मो.जमाल:-मा.महापौरजी, मीने पिछले सभागृह मे बताया था, नागपूर महानगरपालिका मे बहुजन समाज पार्टी कार्यालय मे गट नेता करे मेरे नाम की पाटी थी जो निकाली गई है । इस संदर्भ मे चौकशी करके जिन्होने यह काम किया है उसपर कडक कार्यवाही करने के लिए बताया गया था । उस संदर्भ मे क्या कार्यवाही की गई ।

महापौर:- मा. सदस्य श्री. मो.जमाल यांच्या नावाची पार्टी बहुजन समाज पार्टीच्या कक्षातून काढण्यात आली आहे. या प्रकरणाची अति.आयुक्त 2 यांनी चौकशी करून 8 दिवसांत रिपोर्ट सादर करावा.

श्रीमती रूपाली ठाकुर:- मा.महापौरजी, सर्वप्रथम आपले स्थायी समिती अध्यक्ष श्री.प्रदीप पोहाणे यांचे खुप खुप अभिनंदन करते. या अंदाजपत्रकाचे खुप खुप अभिनंदन करते. या अंदाजपत्रकामध्ये झोन सभापतीला 20 लक्ष रु. उपलब्ध करून दिले त्याबद्दल त्यांचे खुप खुप आभार व्यक्त करते. आपण आपल्या झोनच्या अंतर्गत विकास कामे करावयाची असेल तर झोन सभापती करू शकत नाही आता आपल्या एका शब्दावर कामे होतील याबद्दल खुप खुप अभिनंदन करते. या अंदाजपत्रकात मा. स्थायी समिती अध्यक्ष श्री.प्रदीप पोहाणे यांनी हनुमाननगर झोन कार्यालयाचे नाव राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज अशाप्रकारे बदलवून त्याला मंजूरी दिली त्याबद्दल मी आभार व्यक्त करते. दि. 8 मे 2018 ला या विषयावर नागरिकांना होणारा त्रास लक्षात घेता आपणांस पत्र दिले आणि वेळोवेळी पाठपुरावा सुध्दा केला जी मागणी माझी प्रस्तावित झाली ती पुर्णत्वास आली. मला खुप खुप आनंद आहे त्याकरिता आभार व्यक्त करते. परंतु काही त्रुटी मुळे माझे नावाचा उल्लेख या अंदाजपत्रकात झालेला नाही ही गोष्ट आपल्या निदर्शनास आणून देणे ही माझी जबाबदारी समजून आपल्या समोर प्रस्तुत करते. या अंदाजपत्रकामध्ये माझ्या नावाचा उल्लेख झाला पाहिजे ही विनंती करते. धन्यवाद

श्रीमती जिशान मुमताज:-मा.महापौरजी, हमारे जो भी मुद्दे है उसे रखे जाये और जो भी विषय आये होंगे विश्वास के अंतर्गत उसपर डिसकस किया जाये ऐसी मेरी विनंती है । और जो भी बजेट रखा गया है उसमे नाले की सफाई का विषय इन्वॉल किया जाये, उसके अंतर्गत मेरा नाम नहीं आया है, उसमे मेरा नाम लिया जाये । धन्यवाद

श्रीमती वंदना चांदेकर:-मा.महापौरजी, मा.सदन, मा.स्थायी समिती सभापती आपने आर्थिक वर्ष

2019-20 का बजेट सदन के समक्ष प्रस्तुत किया । इस बजेट में विकास कार्य के संदर्भ में नागपूर की जनता का और विशेषकर मागासवर्गीय समुदायपर अन्याय करने वाला है । परमपुज्य डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर जन्मशताब्दी स्मारक के लिए हर साल बजेट में राशी का प्रावधान किया जाता है । 26 वर्ष हो गये परंतु डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर जन्मशताब्दी स्मारक का कार्य अभी तक रुका हुआ है । 27 में 2019 में दैनिक नवभारत में आया है की मा. मुख्यमंत्रीजीने विधानपरिषद में 15 ऑगस्ट तक लेआऊट कार्यान्वित करने के महानगरपालिका को निर्देश दिये है । स्मारक निर्माण के कार्य को एक पखवाड़े के अंतर्गत मंजूरी दी जायेगी इसतरह की राज्य शासन और मनपा दावा करती है । इसप्रकार डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर जन्मशताब्दी स्मारक के प्रति हर बार बताया जाता है । मा.माजी स्थायी समिती अध्यक्षने उत्तर नागपूर का विकास किया जायेगा इस तरह का बजेट पुस्तिका में बहोत जोरोशोरो से घोषणा की गई थी । उसीप्रकार नागनदी, पीलीनदी साफसफाई अभियान की बजेट में घोषणा की गई । पीली नदी को उत्तर नागपूर की सिवर लाईन जोड़ी गई है । उसीप्रकार उत्तर नागपूर पुरी तरह से बढ़ गया है । पुरे उत्तर नागपूर की सिवरेज लाईन बनाने की आवश्यकता है । पिछले 10 सालो से केंद्र शासन और राज्य शासन में आपकी सरकार है । आप दस सालो से यही दोहरा रहे की उत्तर नागपूर में सिवरेज ट्रीटमेंट प्लॉन्ट बनाया जायेगा । परंतु जब लोकसभा और राज्यसभा के चुनाव आते है उस वक्त उत्तर नागपूर के जनता को आश्वासन दिये जाते है की सिवरेज ट्रीटमेंट प्लॉन्ट बनाया जायेगा । परंतु अभी तक स्थायी समिती अध्यक्ष की ओर से इस महत्वपूर्ण विषय पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है । क्रिडा विकास के बारे में, पिछले दस सालो से क्रिडा मैदानो का विकास नहीं किया गया है । खास कर उत्तर नागपूर के क्रिडाप्रेमीयों के लिए क्रिडा मैदान का विकास नहीं किया गया । इस वजह से क्रिडा प्रेमीयों में रोष बाकी है । यह एक प्रकार से उत्तर नागपूर के जनता के सेहत से खेला जा रहा है । वाचनालय में ई-वाचनालय खोला जायेगा परंतु यहां पर भी उत्तर नागपूर के विद्यार्थियों के साथ धोका किया जा रहा है । बजेट में उत्तर नागपूर के एक भी वाचनालय का समावेश नहीं है । उत्तर नागपूर के राममनोहर लोईया इस वाचनालय में सभी समाज के विद्यार्थी पढ़ने के लिए आते है । इस वाचनालय में विद्यार्थियों की संख्या काफी बड़ी तादाद में होती है, और तो और यहां पर पीने के पानी की भी समस्या है । इस वाचनालय का विस्तार किया जाना चाहिए ताकी यहां के विद्यार्थियों को पढ़ने की सुविधा हो और ई-वाचनालय का भी निर्माण होना चाहिए । उसी प्रकार सिध्दार्थ नगर में वाचनालय है इस वाचनालय में भी बड़ी तादाद में विद्यार्थी आते है । इस वाचनालय का भी विस्तार होना चाहिए और यहां पर सुविधायें उपलब्ध करानी चाहिए । इस वाचनालय भी आवश्यकता है और उत्तर नागपूर के विद्यार्थीका विकास हो । अंत में आपसे निवेदन है की यह दोनो वाचनालय को 50-50 लक्ष रूपयों का प्रावधान उपलब्ध कराया जाये । ताकी उत्तर नागपूर के विद्यार्थियों का भविष्य उज्ज्वल करने में महापालिका का संयोग हो । मा.महापौरजी, मा.सभापती महोदय ने इस बजेट में सभी नगरसेवको को राशी बढ़ा के दी है परंतु प्रभाग में छोटे छोटे कार्य करते वक्त राशी कम पडती है इस राशी को बढ़ा दी जाये ताकी प्रभाग में छोटे छोटे कार्य करते वक्त राशी कम न पडे । धन्यवाद

श्री.कमलेश चौधरी:-मा.महापौरजी, बजेटवर चर्चा करण्याच्या आधी माझी अशी मागणी आहे. आपण हे सदन सुरु करण्याची 10 वाजताची वेळ दिली होती आता 11वाजून 05 मिनीटे झाली असून आता चर्चेला सुरुवात करीत आहे. येथे जितकेही सदस्य बसले आहेत, सत्तापक्षातील सदस्यांचा कोणताही आक्षेप नाही. मात्र विरोधी पक्षातील कोणत्याही पक्षातील सदस्यांचे काही ना काही आक्षेप आहेत हे मांडण्यासाठी 4 मिनीटाची वेळ दिली आहे त्यात वाढ करण्यात यावी. हे 3197 कोटीचे बजेट मा.स्थायी समिती अध्यक्ष श्री. प्रदीपजी पोहाणे यांनी या ठिकाणी प्रस्तुत केलेला आहे त्याचा मी निषेध

करतो. मा.महापौरजी, हे बजेट वाचतांना असे वाटत आहे. मुझे एक पुरानी बात याद आ गई कहते हैं की मुरदे से ज्यादा हार का वजन है उसप्रकार यह बजेट हमे देखने को मिला है । वसुली के बाबत कुछ भी कहाँ नहीं गया है। या बजेटमध्ये आपण प्रत्येक वेगवेगळ्या योजनेमध्ये आपण प्रोव्हीजन केली आहे, प्रावधान ठेवलेले आहे. परंतु याच्यामध्ये कोणत्याही प्रकारचा हा विचार केला नाही की हा खर्च कसा होणार आहे. कारण मागच्या जी फिक्स प्रायरेटिची कामे आहे ती अजूनपर्यंत खुप नगरसेवकांची पेंडींग राहिलेली आहेत. कंत्राटदाराने ती कामेच घेतलेली नाही. मा.महापौरजी, ते काम घेण्यास कुणी तयार नाही. पंडीत दिनदयाय उपाध्याय योजने अंतर्गत आपण निधीची वाढ केलेली आहे ती अत्यंत चांगली आहे. ती तेव्हा चांगली आहे ती जेव्हा वापरता येईल. मा.महापौरजी, एक भी कॉन्ट्रक्टर काम करने मुड मे नहीं है, वह काम लेने के मुड मे नहीं है इसतरफ ध्यान देना होगा । किसप्रकार उनको काम मे लगाया जाये और उनको विश्वास से काम पर लगाया जाये इस ओर विशेष ध्यान देने की जरूरत है । पेड लगाने और संवर्धन करने हेतू 10 कोटी का प्रावधान बजेट अंतर्गत रखा गया है । मा.महापौरजी, महापौर साहेबांनी आणि मा.पालकमंत्री साहेबांनी 82 हजार पौधे लावण्याचा कमीटमेंट केला होता. इसको डिव्हाईड किया जाये तो 12.50 रु.एक पौधे के संवर्धन हेतू लगेंगे । इस का नियोजन किसप्रकार से किया जायेगा यह हमारे समक्ष रखा जाये तो ज्यादा बेहतर होगा मा. महापौरजी । 200 कोटी चा घाटा या सदनमध्ये स्टार बस आणि ओसीडब्लू ला 120 कोटी देण्याचे प्रावधान बजेट मध्ये तरतूद केली आहे ही चांगली गोष्ट आहे. आताच कामाचे दिवस आहेत. पिण्याच्या पाण्यासाठी नागरिकांना किती त्रास झाला हे सर्व लोकांना माहीत आहे. शहरात मोठमोठे स्लम आहेत. विरोधी पक्ष नेते आणि आम्ही सगळे लोकांनी शहरात ठिकठिकाणी व्हिजीट केल्या. वस्तीमध्ये दौरे केले, कुठे कुठे तर लाईनच नाही आहे मा. महापौरजी. या परिस्थितीमध्ये 120 कोटीच्या राशीमध्ये वाढ करण्याची गरज आहे. कारण हा पैसा कमी पडून राहिला. स्लममध्ये जलवाहिनी डालने के लिए उनको समय कम पड़ेगा और जो राशी दी गई है वह भी कम पडने वाली है । इसतरफ विशेष ध्यान देने की जरूरत है । इस प्रकारकी परेशानी का सामना न करने पड़े इसलिये इस राशी मे बढ़ाती करने की जरूरत है । शालाओ मे बारे मे एक नई बात देखने को मिली । महानगरपालिका की बंद पडी शालाओ मे फुड मॉल और भाजी मार्केट शुरू करने का प्रस्ताव इस बजेट रखा गया है । इस शहर मे यह गलत संदेश जायेगा । यह शहर की जिस दिशा मे वाटचाल करने जा रहे है, यह देखते हुए लोगो को गलत संदेश जायेगा । जिस इमारत मे भविष्य उज्ज्वल बनाने की नींव रखी जाती है वहा पर इस प्रकारके भाजी मार्केट बनाने का काम करना बरोबर नहीं है । इस निर्णय को कही पर रोकने की जरूरत है कही पर बदलने की जरूरत है । मेरी स्थायी समिती अध्यक्ष से मांग है की इस विषय पर कही ना कही निर्णय पर विचार करने की आवश्यकता है, ऐसा निर्णय लेना चाहिए या नहीं लेना चाहिए । फायर विभाग मे नई हायड्रोलिक प्लेटफार्म खरेदी करने की प्रोव्हीजन की है, अच्छी बात है । परंतु हमारे यहां पर फायर की गाडी निकलती नहीं, महानगरपालिका के पीछे का रास्ता बरोबर नहीं था ऐसी परिस्थिती मे मा.महापौरजी कही ना कही विशेष ध्यान देने की जरूरत है । हमारा फायर विभाग नागपूर शहरकी जनता को सुरक्षा देने का कार्य करता है और गाडी निकालने के लिए असुविधा और परेशानी का सामना करना पड़े तो गुजराथ मे जो घटना हुई है उसको ध्यान मे रखते वक्त जनता की सुखसुविधायें के प्रति ध्यान देना होगा । हजारो करोड रुपये सिमेंट रस्ते मे लगाया मेरी व्यक्तिगत मानना है की कही ना कही सिमेंट रस्ते की निरपेक्ष कमेटी से जाँच करने की मेरी मागणी है । मा.महापौरजी, देखने को मिला है की अभी बारीश भी शुरू नहीं हुई है फिर भी कभी कभी आने वाला बारीश का पानी रास्तो के आजू बाजू मे पड़े गड़डो मे रुक रहा है । आय ब्लॉक बराबर लगे नहीं होने के वजह से गाडी अनबैलेन्स हो रही है । खुप जगह बारीश का

पानी निकलने की कोई प्लॉनिंग नहीं की गई है । हमने पिछले साल देखा की बारीश का पानी किस तरह से पुरे शहर मे भर गया था। कई ऐसे घर है जहां पर रास्तो की वजह से घर मे पानी घुसने का मामला सामने आया वहां पर कोई प्रकारची सुविधायें दी नहीं गई है । मेरी विशेष मांग इस सदन से है की सिमेंट रस्ते के जो भी कार्य हुए है उसकी निरपेक्ष कमेटी से जाँच की जाये । मा. महापौरजी, फुड मॉल साठी आपण 15 लक्ष रुपये बजेट मध्ये राखीव ठेवलेले आहे. आपल्याला याच्यामध्ये वाढ करण्याची आवश्यकता आहे मा.महापौरजी. कारण आपण प्रत्येक वेळी हॉकर धारकांकडून लायसन्सच्या नावावर, महापालिकेच्या चालानच्या नावावर त्यांच्याकडून वसुली करीत आहे. याच्याकडून रिव्हेन्यु मिळत आहे. माझी मागणी आहे जे 15 लक्ष रु. याठिकाणी ठेवले आहे त्याच्यामध्ये वाढ करण्याची गरज आहे जेणेकरून अतिक्रमण जे दिवसेंदिवस वाढून राहिले त्याच्यामुळे राशीमध्ये आणखी वाढ करण्याची आवश्यकता आहे. हॉकर झोनची निर्मितीकरिता 1 कोटी रु. ठेवलेले आहे ज्या ठिकाणी आवश्यकता आहे आणि जेथे मोठमोठे हॉकरची संख्या जास्त आहे. अशा ठिकाणी प्रायरीटी देवून हॉकर झोन डेव्हलप करण्यात यावे असे मला वाटते. हॉकर झोनच्या माध्यमातून जे शहरात अतिक्रमणात वाढ होत आहे ते थांबविण्याचे काम करता येईल. कॅटेल फार्म करिता कोणतीही तरतूद या बजेटमध्ये केलेली नाही. मला आठवते याच्या अगोदर बजेट सबमीट झाला होता तेव्हा सत्तापक्षातील एक नगरसेविकेने सुचविले होते की शहरात एका चौकाला गो माता चौक असे नाव ठेवले पाहिजे. तेव्हा माझी मागणी होती की शहरामध्ये गो माता नावाचा चौक ठेवण्यापेक्षा जर त्यांना ठेवण्यासाठी नंदग्राम योजना सुरू केली आणि त्यामध्ये प्रोव्हीजन केली तर चांगले होईल. हा जो विषय आहे हा लोकांच्या भविष्याशी जुळलेला विषय आहे. एक ठिकाणी आपण त्याची व्यवस्था करीत नाही तर दुस-या ठिकाणी आपण समाचारापत्राच्या माध्यमातून, टी.व्ही.चॅनलच्या माध्यमातून, वेगवेगळ्या माध्यमातून, मा.मुख्यमंत्री महोदय यांची सुध्दा मागणी आहे. गो माता प्रती आपण प्रत्येक वेळेस पाहिले आहे एक आदराची भावना आहे. माझे स्वतःचे म्हणणे आहे हया शहरामध्ये ज्या लोकांनी गाईबैल पाळलेले आहे आणि त्यांना पकडून जेव्हा त्यांची मुलेपोरे यांच्यावर एफआयआर दाखल करीत आहे. कमीत कमी जेव्हा पर्यंत नंदग्राम योजनेची सुरुवात करीत नाही तोपर्यंत सगळ्या गोष्टी थांबविण्यात याव्यात. नाही तर मुंह मे राम, बगल मे छुरी असे होवू नये, कमीत कमी ते थांबविण्याची गरज आहे. नंदग्राम योजनेसाठी प्रोव्हीजन ठेवली असती तर आपल्याला लोकांना बोलता आले असते. मा. महापौरजी, आपल्याला मागणी आहे. नंदग्राम योजनेकरिता 2 कोटी रु. या बजेटमध्ये ठेवण्याची मी मागणी करीत आहे. मा.महापौरजी, 581 कोटी टॅक्स वसुलीचे उद्दिष्ट आपण या ठिकाणी दिले आहे मला असे वाटते की हे उद्दिष्ट चुकीचे होवून जाईल. वसुली करून आणण्याची आपल्याकडे स्थिती नाही मा.महापौरजी, याकरिता प्लॉनिंग करावी लागेल. मा.महापौरजी, झोन कार्यालयात टॅक्स विभागात 10-15 माणसे दिली आहे त्यांच्याकडे जी लोकसंख्या दिलेली आहे त्यांच्याकडे वसुली मोठ्या प्रमाणात आहे. कोणाकडून पैसे घेणे सोपे काम नाही मा.महापौरजी. एकदा गेले आणि लोकांना सांगितले की टॅक्स भरा आणि त्यांनी पैसे उचलून दिले अशी स्थिती नागपूर शहरात नाही. मा.महापौरजी, याची कुठे ना कुठे आपल्याला दखल घ्यावी लागेल. मला असे वाटते, हे बजेट राजकारणी बजेट आहे. विधानसभा निवडणुकीच्या तोंडावर सादर केलेले हे बजेट लोकांना लुभावणारे बजेट आहे मी या बजेटचा विरोध करतो. धन्यवाद.

श्री.नरेंद्र उर्फ बाल्या बोरकर:- मा. महापौरजी, मा.स्थायी समिती अध्यक्ष प्रदीपजी पोहाणे यांनी हा बजेट सादर केले त्यांचे मी अभिनंदन करतो. पुर्व नागपूरचा अभ्यास करून जे बजेट त्यांनी दिले आहे त्याबद्दल मी त्यांचे अभिनंदन करतो. पुर्व नागपूरामध्ये अटलबिहारी वाजपेयी नागरी केंद्र आपले लकडगंज येथील पाणी टंकी याकरिता 2 कोटी ठेवलेले आहे त्याबद्दल त्यांना धन्यवाद देतो.

कळमना फायर स्टेशन टॅन्ककरिता 20 कोटी ठेवलेले आहे त्याकरिता अभिनंदन करतो. डेप्युटी सिंगल शाळा डिजीटल करणार आहे. भांडेवाडी डम्पींग यार्ड चा रस्ता खुप खराब आहे त्याकरिता पोहाणेजीने पैसे ठेवले त्याबद्दल त्यांचे अभिनंदन करतो. पोहाणे साहेबांना विनंती करतो, आज या सडनात सर्व नगरसेवक बसलेले आहेत याठिकाणी कुलर लागलेले आहेत त्या कुलरच्या जागी अत्याधुनिक व्यवस्थेच्या संदर्भात या बजेटमध्ये समावेश करावा. पाण्याबद्दल कमलेश चौधरी बोलत होते, चौधरी साहेब आपल्या येथे पाण्यासाठी एवढी मारामारी नाही. आपण वाडीला गेलो तर रात्र रात्र पहाटे 4-5 वाजेपासून लोक पाण्यासाठी उभे राहतात. टॅन्कर आले का? म्हणून रात्री वाट पाहत असतात. मी माझ्या नातेवाईकाच्या लग्नासाठी गेलो होते तेथे रात्री 3.00 वाजता लोक आपली कळशी, ड्रम घेवून बसलेले राहतात. पाण्याची वाट पाहत राहतात. परंतु आपल्या नागपूर शहरात महापौरांच्या माध्यमातून, कमिश्नर साहेबांच्या माध्यमातून आपल्या मा. गडकरी साहेबांच्या माध्यमातून, मा. फडणवीस साहेबांच्या माध्यमातून, मा. पालकमंत्र्यांच्या माध्यमातून पाण्याची व्यवस्था करीत आहे. कालच माहीत पडले की त्यांनी पाण्याची व्यवस्था केलेली आहे याबद्दल त्यांचे अभिनंदन करतो. या बजेटला सर्व मिळून मंजूरी द्याल अशी अपेक्षा करतो, धन्यवाद.

श्रीमती आभा पांडे:-मा.महापौरजी, आज के बजेट चर्चासत्र मे उपस्थित मा.महापौरजी, मा. उपमहापौरजी, मा. स्थायी समिती अध्यक्ष, मा. आयुक्त महोदय, यहां पर उपस्थित सभी नगरसेवक, नगरसेविकायें, सब अधिकारी कर्मचारी वर्ग तथा उपस्थित पत्रकारबंधू. मा.महापौरजी, 3197 करोड का बजेट पेश करने के लिए आदरणीय पोहाणेजी मेरे छोटे भाई इनका मैं बहोत बहोत अभिनंदन करती हूँ । फरवरी 2017 मे नागपूर महानगरपालिका के चुनाव हुए और हमने हमारे स्थायी समिती अध्यक्ष से निवेदन किया, दादा तुझे लग्न झालेले नाही आहे. दादा, तु एक वहिनी आण. आम्ही मागणी केली आणि दादानी आमची मागणी मान्य केली. मला असे वाटते की ज्यांचे लग्न झाले आहे ते चांगल्या पध्दतीने बजेट बनवू शकतात. त्यांना सगळे माहीत असते घरी काय काय लागते. बजेट जे प्रारूप आहे ते त्यांना कळायला पाहिजे. आमच्या लहान भावाने जे बजेट येथे प्रस्तुत केले तेथे कुठेतरी काहीतरी कमतरता भासत आहे. लग्नाला जास्त दिवस झालेले नाही, अनुभव जास्त आलेला नाही आणि म्हणून काही गोष्टी राहूनही गेल्या असतील. मा.महापौरजी, यह जो बजेट है यह ऐतिहासिक बजेट है । मैं इस बजेट को ऐतिहासिक बजेट इसलिए कह रही हूँ की इसके पीछे मेरा मानस क्या है और इसके पीछे मेरा दृष्टीकोन क्या है यह मैं सबको बताना चाहती हूँ । आज इस सदन मे 12 वर्ष पूर्ण हुए, यह 13 वा बजेट है । इसलिए हम यहां पर उपस्थित है और मैं चर्चा कर रही हूँ । यह पहला ऐसा बजेट है जिस चर्चासत्र मे मा.महापौरजी उपस्थित नहीं है । इसलिए यह बजेट जो है वह ऐतिहासिक बजेट है । हो सकता मा.महापौरजी फ्रान्स को पानी लेने गई हो, यह हमारे लिए खुशी की बात है । पानी लाये कहीं से लाये, तोतलाडोह से लाये, कहीं से भी लायें । मा.महापौरजी, यह 3197 करोड का बजेट मा. स्थायी समिती अध्यक्ष महोदय ने यहां प्रस्तुत किया । जिसमे करीब करीब 28 करोड की आय अपेक्षित है । सन 2018 मे हमारे भाई आदरणीय कुकरेजाजीने 2800 करोड का बजेट पेश किया था जिसमे 2017 इतनी आय अपेक्षित की थी । जो टारगेट मा.स्थायी समिती अध्यक्ष ने दिया था वह टारगेट को हम नहीं पा पाये । मा.महापौरजी, 1288 करोड का सरकारी अनुदान हमको मिलने वाला है । इसलिए मैं सरकार मे बैठे सभी जनों का अभिनंदन करती हूँ । लेकिन यह बात भी कहना चाहूंगी की यह सरकारी अनुदान इस महानगरपालिका को मिलना और उसके भरोसे इस महानगरपालिका का चलना इसका मतलब हमारी नागपूर महानगरपालिका कहीं ना कहीं सरकार पर निर्भर है । मा.महापौरजी, हम नागपूर महानगरपालिकेके मुख्य आय स्रोतो के उपर देखे तो मुख्य स्रोत जो है आय का वह है मालमत्ता कर । इस मालमत्ता कर पर हमारे बहोत से सदन मे बहोत

सारी चर्चाएँ हुई हैं । सायबरटेक ने कैसा कैसा घोटाला किया । मेरा यह आरोप है की सायबरटेक के नाकामी के वजह से हम अपना उद्दिष्ट पूर्ण न कर सके । मेरा यह मानना है की आपने नागपूर महानगरपालिका में डिसेंट्रलाइज किया दस झोन बनाये परंतु क्या उस 10 झोनमें मालमत्ता कर संबंधित जो कर्मचारी वर्ग है, सहा.आयुक्त है वह वहां बैठते हैं क्या? वह मालमत्ता कर के वसुली के बारे में गंभीर है, कतई गंभीर नहीं है । मा.महापौरजी, छोटी छोटी क्युरीज हमको मेश्राम साहब के पास में सिव्हील लाईन में लेके जाने पड़ती है । कैसे हमारे उद्देश पूर्ण होगा मा.महापौरजी । हमें उद्देश पूर्ण करना है तो हमारी व्यवस्था मजबूत करनी होगी । 443 करोड़ का उद्दिष्ट अचिह्न करने का उद्देश रखा है तो हम कर नहीं पायेंगे । इसीप्रकार की कर प्रणाली बनी रही तो । उद्देश पूर्ण करना है तो उसी दृष्टि से हमें देखना होगा मा.महापौरजी । मैंने जब बजेट पढ़ने की शुरुवात की तो मुझे बहुत इन्ट्रेस आया बाद में लगा की इस में कुछ भी नया नहीं है । जब इसमें लगा की कुछ नया नहीं दिखा तो मुझे इस बात का भास हुआ की नागपूर महानगरपालिका आर्थिक संकट में है । केवल आकड़ों का खेल, आकड़ों की जादुगरी भाई प्रदीपजीने की । प्रदीप का मतलब होता है प्रकाश, परंतु वह प्रकाश इस बजेट में दिखाई नहीं दिया, बहुत ढुंढने की कोशिश की । नागपूर महानगरपालिका ने एक वेबसाइट बनाई है । इस वेबसाइट के पोर्टल पर जिस बात का उल्लेख होना चाहिए उन बातों का उल्लेख हमारी महानगरपालिका के वेबसाइट पर नहीं है । मेरा ऐसा मानना है की बजेट पुस्तिका में इन बातों को भी सम्मेलित करते तो ठीक है बजेट बनाते वक्त आकड़े ही चाहिए, आकड़ों का ही खेल रहता है । परंतु उसके साथ साथ हम वर्षभर में क्या क्या नियोजन करने वाले हैं । उन बिंदुओं पर भी प्रकाश डालते तो हमारा बजेट सार्थक हुआ रहता । मा. महापौरजी, रस्तों पर हमने बताया पहिले टप्पे में 770 करोड़ रखे हैं । बीच में मैंने वर्तमानपत्र में पढ़ा की प्रथम टप्पा हा पूर्ण झालेला आहे. उस का कही उल्लेख नहीं है , कही पर इसकी क्लियरिटी नहीं है। 770 करोड़ रु. रखे हैं उस का खर्चा आप कहां पर करने वाले हो । मा. महापौरजी, बजेट में इस बात का भी उल्लेख है, तुलसीनगर, शांतीनगर उद्यान और भी उद्यान का उल्लेख है । शांतीनगर उद्यान पूर्ण रूप से विकसित हुआ नहीं है । शांतीनगर उद्यान जिस क्षेत्र में है मैं उस क्षेत्र से चुनके आयी हूँ । मैंने पिछले साल 25 लक्ष रु. की राशी देके वहां पर विकास काम शुरू किया है वह काम पूर्ण नहीं हुआ है । हमारे भाई प्रदीप पोहाणेजी को 25 लक्ष की राशी देने की बात पर भाई कमलेशजी ने बात रखी की । ओ.सी.डब्लू. की कारगुजारी हम सबको विदीत है । इसीलिए मेरा आपसे निवेदन है, शहर में जो भी कंपनी आती है उसका उद्देश पैसे कमाना है परंतु हम इस शहर के जनप्रतिनिधी हैं । हमारा एकमेव उद्देश है की हमारी जनता को मुलभूत सुविधायें किसप्रकार से दे सकते हैं । मा.महापौरजी, निधी देते वक्त क्या हम कोई एग्रीमेंट उनसे करा सकते हैं । हम निधी उसी वक्त दे सकते हैं जब आप हमारे क्षेत्र में इतने इतने काम करेंगे । हम कंपनियों पर इस प्रकार की बायडिंग नहीं लायेंगे तब तक कंपनियां हमारे उपर अत्याचार करती रहेगी । मा.महापौरजी, वार्ड फंड और फिक्स प्रायरेटी जो बढ़ा दी गई है इसलिए मैं छोटे भाई प्रदीपजी का बहुत बहुत अभिनंदन करती हूँ उनकी प्रशंसा करती हूँ। बंद शालाओं को फुड मॉल और भाजी मार्केट के रूपमें तब्दील करने का मानस आदरणीय प्रदीप भाईने दिखाया उसका मैं यहां पर निषेध करती हूँ । क्योंकि विद्यालय में विद्यार्थियों के द्वारा विद्या ही अर्जित होनी चाहिए । उसका चेंज ऑफ युझ हम कर नहीं सकते इसलिए जहां पर विद्यार्थी शिक्षा अर्जित करता है वहां पर कितने अच्छे तरीके से ऐसे गरीब बच्चे हैं जिनके मातापिता प्रायव्हेट स्कूलों में नहीं डाल सकते । उनकी ताकद नहीं वह प्रायव्हेट स्कूल में जा सके । आपने बजेट में दो-तीन शालाओं का उल्लेख किया है

वहा पर आपने डिजीटलायजेशन आणि अंग्रजी माध्यम की स्कूल शुरू की है । आप जहां भाजी मार्केट और फुड मॉल बनवाने जा रहे हो मैं उसका निषेध करती हूँ । क्योंकि आगे आने वाली हमारी नस्ले हमें कभी माफ नहीं करेंगी । मा.महापौरजी, महापुरुषों के पुतलो का विषय हर बजेट पुस्तिका में दर्शाया जाता है । मैं आठ-दस साल से देख ही हूँ, हमने कई पुतलो का निर्माण किया है । मैं एकही पुतले की बात करना चाहती हूँ, ज्ञानयोगी डॉ. श्रीकांतजी जिचकार, मुझे ऐसा लगता है की बारबार उनके नाम का उल्लेख इस बजेट पुस्तिका में होना कहीं उनका अपमान तो नहीं । हम जब महापुरुषों के पुतले का उल्लेख रखते हैं तो उस दिशा में प्रयत्न होना चाहिए । 7 वा वेतन आयोग लगाने की बात आदरणीय भाई पोहाणेजी ने रखी है मैं उनको बढ़ाई देती हूँ लेकिन 7 वे वेतन आयोग का एरियर्स नहीं दे पा रहे हैं । मा.महापौरजी, 2010 से छटवा वेतन आयोग लगा है और आज करीब नऊ वर्ष हुये हैं उनका एरियर्स उनको नहीं मिला है । एरियर्स धीरे धीरे देने की बात हुई रहती तो आज तक उनको मिल गया होता । अधिकारी, कर्मचारी को मालुम है उनका किसतरह का उनका नुकसान हुआ है। अभी तक थोड़ा थोड़ा दिया होता तो उनको कुछ ना कुछ फायदा हुआ रहता मा.महापौरजी । हमने उनका सौगात नहीं दी है तो हमने उनको कोर्ट का दरवाजा खटखटाने के लिए प्रेरित किया है जिस बात का मैं निषेध करती हूँ । इस बजेट में झाड लगाके पर्यावरण बचाने का संकल्प भाई प्रदीपजीने किया है इसका मैं अभिनंदन करती हूँ और इसके साथ पुछने का प्रयास करती हूँ की भुतपुर्व महापौर आदरणीय आमदारजी अनिलजी सोले इन्होंने हजारों, लाखों झाड इस शहर में लगाये थे । परंतु मा.महापौरजी, अंबाझरी में 5 हजार झाड लगाये थे उनमें से कितने जिवीत हैं । इस सदन में बैठे हुए सभी जानते हैं की झाड लगाना बहोत छोटा कार्य है परंतु उनका संवर्धन करना, उनको जिवीत रखना बहोत कठीन कार्य है । झाड लगाने का जैसा संकल्प किया है उसी प्रकार इस बजेट को मंजूरी देते वक्त उनका जिवीत रखने का संकल्प भी करना चाहिए ऐसा मेरा निवेदन है । मा.महापौरजी, सुमतीताई सुकळीकर यह निधी महिलाओं के लिए अतिरिक्त निधी रखा था । वो निधी स्थायी समिती अध्यक्ष के भाषण में कही भी नमुद नहीं है की सुमतीताई सुकळीकर में अतिरिक्त निधी हम देने वाले हैं । अतिरिक्त निधी जो लोकोपयोगी काम है उस काम को करने के लिए महिलाओं को अतिरिक्त निधी दिया करते थे । मैंने पुस्तिका में पेज क्र. 135 पढा जिसमें सुमतीताई सुकळीकर निधी का उल्लेख है उसमें केवल हमें झाड लगाना है । मैं स्थायी समिती अध्यक्ष महोदय को निवेदन करती हूँ की सुमतीताई सुकळीकर जो निधी है वह हम महिला नगरसेविकाये को अपने हिसाब से अपने प्रभाग में खर्च करने की मंजूरी देते वक्त सुचना करे । झाड लगाने के लिए सेंट्रलाईज जो बजेट में प्रावधान दिया है उसमें उसको सम्मेलित करे । सुमतीताई सुकळीकर निधी का उल्लेख आपने अपने बजेट के भाषण में नहीं किया इसलिए मैं चार पंक्तीयां निवेदन करना चाहती हूँ।

क्यु हम महिलाओं को कम आंकते हो तुम।

हम महिलाओं ने हिमवान छुआ है ।

गीता, पुराण, कुरान छुआ है ।

तीर कमान, कृपाल छुपा है ।

कोई बताये कहां न छुआ है, हमने यह विश्व महान छुआ है ।

मा.महापौरजी, बजेट का भाषण समाप्त करने के पूर्व चंद पंक्तियां भाई प्रदीपजी के लिए कहना चाहती हूँ ।

मय है, प्याला भी है और सागर भी है ।

मय याना पैसा प्याला याने बजेट और सागर याने खजाना

पैसा, तिजोरी और खजाना सब कुछ है । पर मेरी मंशा नहीं है ।

हरेक हिंद प्यासा ही निकला, प्रदीप तेरे मयखाने से ।

मुझे बोलने का अवसर दिया इसलिए मा.महापौरजी, बहोत बहोत धन्यवाद.

श्रीमती स्वाती आखतकर:- वंदनीय भारतमाता, मा.महापौरजी, मा.उपमहापौरजी, मा.स्थायी समिती अध्यक्ष, मा.आयुक्त महोदय, मा.सत्तापक्ष नेते, मा.विरोधी पक्ष नेता, सर्व नगरसेवक आणि सन्माननीय सदन, मा.महापौरजी, नागपूर शहर हिरवेगार झाले पाहिजे यासाठी वृक्षारोपण असो, नागनदी पुर्नजीवन असो, तलावाचे सौंदर्यीकरण असो, नवीन गार्डनची निर्मितीकरण असो, रेनवॉटर हार्वेस्टिंग असो स्थायी समिती अध्यक्षांनी निधी ठेवलेला आहे. हा बजेट संपुर्ण पर्यावरणाला समर्पित असा बजेट आहे. या बजेटचे मी समर्थन करते. उद्यानासाठी स्थायी समिती अध्यक्षांनी निधी ठेवलेला आहे त्यासाठी मी त्यांचे मनापासून खुप खुप अभिनंदन करते परंतु एक विनंती करते माझ्या प्रमाणे स्थायी समिती अध्यक्ष देखील एक आऊटर प्रभागाचे नेतृत्व करतात आणि आऊटर प्रभागामध्ये सर्वच सुखसुविधा असाव्यात. परंतु एक हिरवेगार गार्डन असावे आणि त्यात सर्व सुखसुविधा असाव्यात अशी आमची आणि नागरिकांची अपेक्षा असते. त्या अपेक्षेनुसार आमची मागणी देखील असते. मा.स्थायी समिती अध्यक्षांना इतकी विनंती करते जे गार्डनकरिता आपण निधी ठेवलेला आहे तो आऊटर प्रभागाच्या गार्डनसाठी जास्तीत जास्त खर्च करण्यात यावा अशी मी आपल्याला विनंती करते. मा.महापौरजी, हुडकेश्वर, नरसाळा या भागाच्या विकास आराखड्यासाठी या बजेटमध्ये निधीची तरतूद केली आहे त्याबद्दल मा. स्थायी समिती अध्यक्ष प्रदीपजी पोहाणे यांचे मनापासून खुप खुप धन्यवाद देते आणि अभिनंदन करते. मा.महापौरजी, पंडीत दिनदयाल उपाध्याय रस्ते योजने अंतर्गत दरवर्षी प्रति प्रभागासाठी 60 लक्ष रुपये ठेवले जायचे परंतु स्थायी समिती अध्यक्ष यांनी या वर्षी त्यामध्ये 20 लक्ष रुपयाची भर टाकून ते प्रति प्रभाग 80 लक्ष रु.केले त्याबद्दल त्यांचे मनापासून खुप खुप अभिनंदन करते, त्यांचे आभार मानते. सुमतीताई सुकळीकर महिलांसाठी जो राखीव फंड आहे तो नेहमीप्रमाणे या वर्षी देखील ठेवलेला आहे त्याबद्दल सर्व महिला नगरसेविकांकडून त्यांना धन्यवाद देते, त्याचे खुप खुप आभार मानते. हे बजेट नक्कीच जनतेची सेवा करणारे बजेट आहे. जनतेला सुखसुविधा देणारे असे उत्तम बजेट त्यांनी या सभागृहात सादर केले त्याबद्दल मी मा.स्थायी समिती अध्यक्ष श्री. प्रदीप पोहाणे यांचे मनापासून अभिनंदन करते त्यांना शुभेच्छा देते, धन्यवाद. जयहिंद, जयभारत.

श्री.पुरुषोत्तम हजार:- मा.महापौरजी, सन 2019-20 चे अंदाजपत्रक मा.स्थायी समिती अध्यक्ष श्री. प्रदीपजी पोहाणे यांनी नागपूर शहराचा विचार करून नागपूर शहरातील जनतेला सुखसुविधा कशा उपलब्ध करून देता येईल याचा विचार करून सदनात अंदाजपत्रक मांडले आणि त्यावर चर्चा सुरु आहे. मी प्रदीपभाऊ स्थायी समिती अध्यक्षांचे आधीच अभिनंदन करते. स्थायी समिती अध्यक्षांनी पुर्व नागपूरचा सर्वे केला असेल आणि सर्वे करून जे त्यांना कमतरता आढळली असेल ते त्यांनी तेथे बघण्याचा प्रयत्न केला. पुर्व नागपूरातील काही शाळा डिजीटल करण्याचा अशा प्रकारची मंशा दाखविली यासाठी मी त्यांचे अभिनंदन करतो. परंतु मला काही बोलायचे आहे. काही प्रभागामध्ये प्रदीप भाऊ पोहाणे यांचा प्रभाग माझ्या प्रभागाला लागून आहे. अनधिकृत लेआऊटमध्ये वारंवार लोकांच्या तक्रारी असतात. त्या संदर्भाने लोकांचे पुंगेचे पुंगे आमच्या घरावर येतात. मी स्थायी समिती अध्यक्ष प्रदीप पोहाणे आणि मा.महापौरजी आपल्याला विनंती करतो. 1900 आणि 572 या लेआऊटमध्ये अंतर्गत थोडा जास्त निधी ठेवावा कारण की जो विकास अनधिकृत लेआऊटमध्ये व्हायला पाहिजे आणि बजेटमध्ये जो निधी ठेवलेला आहे तितक्या पैश्यात तो होणार नाही. कमीत कमी त्यात 5 कोटी रु. वाढ केली पाहिजे अशी मी विनंती करतो. स्थायी समिती अध्यक्ष श्री.प्रदीपजी पोहाणे यांनी बजेटमध्ये 12 लक्ष रु. उद्यानासाठी ठेवलेले आहे. पारडीमध्ये प्रभाग क्र. 25 मध्ये दीड ते दोन लक्ष लोकसंख्या वस्ती करून राहत आहेत. एक-दोन खेळाचे मैदान आणि बगीचे आणि उद्यान त्या परिसरात उपलब्ध



नाही. मा.महापौर साहेब, मी स्थायी समिती अध्यक्ष यांना विनंती आहे, प्रभाग क्र. 25 मध्ये विनोबा भावे उद्यानाकरिता दोन ते तीन एकर जागा स्लममध्ये उपलब्ध आहे. त्या जागेवरती बगीचा तयार करण्यात यावा आणि त्यासाठी स्थायी समिती अध्यक्षांनी या अंदाजपत्रकामध्ये या उद्यानाकरिता निधी उपलब्ध करून द्यावा अशी विनंती करतो. महापुरुषांच्या पुतळ्याच्या निर्माणसाठी या बजेटमध्ये प्रावधान दिलेले आहे. मा.महापौर साहेब, पारडी प्रभागामध्ये संत जगनाडे महाराज यांना मानणारे खुप लोक आहेत आणि त्यांची प्रेरणा घेवून मी सुध्दा समोर वाढलेला आहे. माझी आपणांस विनंती आहे, पारडी बाजार चौकामध्ये संत जगनाडे महाराजाचा पुतळा बसविण्यात यावा. मा.अध्यक्षांना माहीत आहे की त्या परिसरातील किती लोक संत जगनाडे महाराजांना मानणारे लोक आहे. त्यांनी स्वतः त्याची पाहणी करावी आणि पारडी बाजार चौकामध्ये संत जगनाडे महाराजाचा पुतळा बसविण्याकरिता अंदाजपत्रकामध्ये समावेश करून घ्यावा. आता मी मुख्य मुद्दयावर येतो. पारडीमध्ये एकही आठवडी बाजार नाही किंवा महानगरपालिकेची जागा नाही की जेथे पारडीचा आठवडा बाजार भरू शकेल. पारडी आठवडी बाजार नॅशनल हायवे भंडारा रोड ते नागपूर या हायवे रस्त्यावर भरतो. या बाजारामध्ये लोकांना जाण्यायेण्याकरिता नॅशनल हायवे पार करून जावे लागतो. माझे किती तरी भाऊ, बहिण, परिवारातील लोक या बाजारात जात असतांना मृत्युमुखी पावले आहेत, किती तरी अपघात झालेले आहेत. मी पोहाणे भाऊला मागणी केली आहे की बाजूलाच आपल्या महानगरपालिकेने आरक्षण केलेली ती जागा डीपीमध्ये ठेवली आहे. मा. सरस्वतीबाई तलमले यांची 18 एकर जागा महानगरपालिकेने हस्तांतरीत करून ठेवली आहे. माझी आपणांस विनंती आहे त्या जागेवर नवीन डीपी तयार करून आठवडी बाजार भरविण्यासाठी तयार करून पारडीच्या लोकांना न्याय द्यावा अशी मी स्थायी समिती अध्यक्ष आणि मा.महापौरजी यांना विनंती करतो. पारडी प्रभागातील एक ना एक माणसाचा तेथे अपघात होतो आणि किती तरी मृत्युमुखी पावले आहेत त्यांना जीव आम्ही वाचवू शकत नाही ही फार दुःखाची गोष्ट आहे. तुम्ही त्या प्रभागाचा दौरा करा आणि त्या आठवडी बाजारात स्वतः या, त्या जागेची पाहणी करून त्याची शहानिशा करून महानगरपालिकेची तेथे जागा असेल त्या जागेवर आठवडी बाजाराचे हस्तांतरीत केले पाहिजे. कारण लोकांचा जीव जाणार नाही लोकांना आठवडी बाजाराकरिता जागा मिळेल एवढेच सांगतो. नागपूर शहरातील लोकांचे हित बघून तुम्ही हे बजेट सादर केले त्याबद्दल तुमचे आभार मानतो. तुमचे अभिनंदन करतो, तुमचे बजेट सक्सेस व्हावे अशी भगवंताला विनंती करतो.

श्री.हरीश ग्वालवंशी:- मा.महापौरजी, जो बजेट दिखाया गया है वह वास्तविक स्थिती मे जमीन पर आयेगा क्या? यह बजेट जो वर्तमानपत्रद्वारा बताया गया है की लोकोपयोगी है, पिछला बजेट पुरा नहीं कर पाये तो यह बजेट कैसे पुरा कर पायेंगे । नागपूर शहर मे 16 तालाब है । तालाब के लिए जो निधी रखा गया है उससे जलस्तर बढ़ाने के लिए और तालाबो का अस्तित्व कायम रखने के लिए यह बजेट है क्या? मा.महापौरजी, यह बजेट जो है यह पब्लिक को गुमराह करने वाला बजेट है । यह बजेट जमीन पर वास्तविक स्थिती मे आनेवाला बजेट नहीं है । इस यह लोगो को और यहां पर बैठे हुए मा.सदस्य को बेवफुक बनानेवाला बजेट है । मै यह बजेट का निषेध करता हूँ ।

कु. विरंका भिवगडे:-मा.महापौरजी, मा.स्थायी समिती अध्यक्ष सर्वप्रथम मी आपले अभिनंदन करते. झोन अंतर्गत सभापतीच्या माध्यमातून 20 लक्ष रु. तातडीचे कामे करण्याकरिता सभापती करिता तरतूद करण्यात आली त्याकरिता आपले धन्यवाद करते. हे कार्य अभिनंदनीय आहे त्याबद्दल आपले धन्यवाद करते. परंतु ते 50 लक्ष रु.पर्यंत वाढविण्यात यावे कारण की सभापती कडे प्रभागातील सर्व समस्या घेवून लोक येतात आणि जास्त खर्चाचे काम असते ते वाढविण्यात यावे असे मला वाटते. मी आशीनगर झोनची सभापती असल्यामुळे मी दोन-तीन दिवसा अगोदर टॅक्स संबंधित बैठक घेतली

त्यामध्ये असे आढळून आले आणि आज परिस्थिती अशी आहे की सायबर टेक कंपनीने जो सर्व्हे केलेला आहे. त्यामध्ये अशा पद्धतीने सर्व्हे केला की त्यांचा सर्व्हे केल्यानंतर काही लोकांना बील दुपटीने पाठविण्यात आले आहे त्याबाबत दक्षता घेण्यात यावी आणि अशी परिस्थिती आहे की काही लोकांना बील पोहचलेले नाही. मला असे वाटते की हे बील प्रत्येकांच्या घरोघरी पोहचले तर महापालिकेच्या उत्पन्नात काही सुधार होवू शकतो. महापालिकेचा आपण मालमत्ता कर वसूल करू शकतो. आसीनगर चा फार मोठा पसरलेला परिसर आहे. आसीनगर झोन अंतर्गत टॅक्स विभागात 23 कर्मचारी असून त्यांच्याकडे एक ते दीड लक्षाच्यावर प्रापटी आहेत. घरांची संख्या लक्षात घेता आसीनगर झोन अंतर्गत कर विभागातील कर्मचा-यांची संख्या वाढविणे वसुलीच्या दृष्टीने आवश्यक आहे. आयुक्त महोदयांना विनंती करते, कर विभागातील रिक्त असलेल्या जागा भरणे आवश्यक आहे. त्यामुळे वसुलीवर परिणाम होत आहे. आमच्या झोन अंतर्गत वसुली वाढविण्याच्या दृष्टीकोनातून कर विभागात कर्मचा-यांची संख्या वाढविणे गरजेचे आहे अशी मी विनंती करते. मा.महापौरजी, मै सन्माननीय सभी मा.सिनिअर नगरसेवकों को रिक्वेस्ट करती हूँ की हम पार्षद पहली बार चुनके आये है, आप सभी लोगो की ब्लेसिंग हमारे साथ रहेगी तो हम प्रभाग का विकास कर सकेंगे । मा. महापौरजी, मुझे बोलने का मौका दिया इसलिए मै आपका धन्यवाद करती हूँ ।

श्रीमती वैशाली नारनवरे:- मा.महापौरजी, मा.स्थायी समिती अध्यक्ष, मा.सदन, मा.सभी नगरसेवक और नगरसेविकाए, अधिकारी वर्ग, पत्रकार वर्ग. मा.महापौरजी, मला सर्वप्रथम हे सांगावयाचे आहे की तीन महिन्यांनंतर सदन सुरु व्हायला लागले तेव्हापासून मला वाटते हे सभागृह उशिरा सुरु होते. आपण सर्वांना 11 वाजेची वेळ दिली. सदन मात्र पहिल्या दिवशीपासून, तीन सभा झाल्या आहेत. पहिली सभा पाऊन वाजता सुरु झाली. दुसरी सभा 12.30 वाजता सुरु झाली आणि आज सुध्दा उशिरा सुरु झाली आहे. नियम हे तुटत चालले आहे. आपण नेमकी सभा कधी सुरु करणार आहे तसे परिपत्रक पाठवावे आणि त्या वेळेस सभा सुरु करावी ही या सदनास विनंती करते. या वर्षीचे अंदाजपत्रक उत्पन्नाची स्थिती लक्षात न घेता अंदाजपत्रक सादर केलेले आहे. 3197.60 कोटीचे हे अंदाजपत्रक विचारपूर्वक तयार केलेले नाही असे लक्षात येत आहे याकरिता मी कठोरतेने विरोध करित आहे. मा.महापौरजी माजी सभापती पेक्षा या वर्षीचे स्थायी समिती अध्यक्ष प्रामाणिक आहे असे म्हणण्यास काही हरकत नाही. माजी अध्यक्ष स्थायी समिती यांनी उत्तर नागपूरचा विकास होणार म्हणून मोठी प्रसिध्दी दिली होती परंतु उत्तर नागपूरचा विकास काही केला गेला नाही. मी सांगू इच्छिते की चांभार नाला हा खुप खचलेला आणि तुटलेल्या स्थितीत आहे. त्या ठिकाणाहून हजारो लोक ये जा करतात. शाळा, कॉलेजमध्ये जाणारा विद्यार्थी वर्ग असतो, ऑटोचालक असतो, काही प्रौढवर्ग असतो, महिला वर्ग असतो. जेथे चांभार नाला सुरु होतो त्या ठिकाणाहून तो खचलेला आहे. याची पाहणी आणि शहानिशा मा. महापौर मॅडमनी सुध्दा केली आहे. आशीनगर झोन मध्ये जनता दरबार घेण्यात आला होता. त्यावेळी मा. पालकमंत्री उपस्थित होते परंतु निष्कर्ष निघाला नाही. इतका मोठा जनता दरबार घेण्यात आला परंतु कुठलेही काम झालेले नाही. चांभार नाला या ठिकाणी एखाद्या वेळेस गंभीर दुर्घटना होवू शकते त्यासाठी फक्त महानगरपालिकाच जबाबदार राहणार आहे. चांभार नाल्याला सुरक्षाभिंतीची अत्यंत आवश्यकता आहे. चांभारनाल्याची सुरक्षाभिंत ही टप्प्याटप्प्याने कोसळली आहे. पहिल्या चौकात खचली आहे मग दुस-या चौकात खचलेली आहे अशी वस्तीत शिरत असतांना अत्यंत दयनिय स्थिती झाली आहे. माझी अशी विनंती आहे या वर्षी या सत्रात ही सुरक्षाभिंत तयार व्हायला पाहिजे अन्यथा यावर्षी साठी माझा कठोर विरोध या अंदाजपत्रकाला दर्शवित आहे. मा. महापौरजी, स्थायी समिती अध्यक्षांना मी सांगू इच्छिते परंतु आम्ही सांगत आणि स्थायी समिती अध्यक्ष जागेवर बसलेले नाही तर आम्ही कुणाला सांगायचे. मी स्थायी समिती अध्यक्षांना सांगू इच्छिते की

झोन क्र.9 मध्ये महिला शौचालयाची स्थिती अत्यंत घाणरडे व खराब आहे. दरवाजा तुटलेला आहे, नळाची व्यवस्था बरोबर नाही. शौचालयाची सीट, टॉयलेट खराब झालेली आहे. मी खोटे बोलत नाही, याबाबत मा.महापौरजी यांना ज्यावेळेस जनता दरबार भरला होता त्यावेळेस लक्षात आले आहे. हा विषय महिला शौचालयाशी संबंधित आहे. याची गंभीरता मा.अध्यक्ष यांनी घेवून या झोनला विशेष निधी उपलब्ध करून द्यावा ही विनंती आहे अन्यथा याकरिता सुध्दा अंदाजपत्रकाचा विरोध करित आहे. मा. महापौरजी, या अंदाजपत्रकात जरीपटका या ठिकाणी समाज भवन निर्माण करावे या ठिकाणी जरीपटका वस्तीला दुर्बल घटक असे म्हटले आहे. जरीपटका या ठिकाणी व्यापारी वर्ग असतो, श्रीमंत वर्ग असतो मला असे वाटते पोहाणे साहेबांनी जरीपटका येथे कुठे फेरफटका मारला जेथे त्यांना दुर्बल घटक दिसला आहे. जरीपटका या भागात व्यापारी वर्ग, श्रीमंत वर्ग असतांना आपण त्याला दुर्बल घटक असा अंदाजपत्रकात कां उल्लेख केला आहे त्याला माझा विरोध आहे. त्या ठिकाणी जेव्हा त्या वस्तीला दुर्बल घटक म्हणत आहे तर रिपब्लिक नगर, खोब्रागडे नगर, आदर्श नगर, पंचशील नगर, बाबा बुध्द नगर, सुजाता नगर, पंचकुआ, अशोक नगर, वैशाली नगर वगैरे वगैरे इतक्या वस्त्या आहेत. त्या वस्त्यांना कुठल्या घटकात मोडणार आहे. त्या ठिकाणी समाज भवन बनविण्याची आवश्यकता आहे त्याचा जराही उल्लेख या ठिकाणी केला नाही. जो भाग दुर्बल घटकात मोडत नाही त्याचा अंदाजपत्रकात उल्लेख केला आहे तो उल्लेख काढून घ्यावा. नोट करून घ्यावा मी या अंदाजपत्रकाचा विरोध करते. डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर जन्मशताब्दी स्मारक अनेक वर्षांपासून स्मारक बनविण्यासाठी तरतूद करण्यात येते. परंतु हे स्मारक तयार करण्यासाठी या महानगरपालिकेची ताकद किंवा मानसिकता दिसत नाही. काही तरी वेगळी उपाययोजना करावी लागेल. असे म्हणतात ना की सीधे ऊंगली से घी नही निकलता तो ऊंगली तेढी करनी पडती है । त्यासाठी काही तरी करावे लागेल असे मला वाटते, मा.सभापती महोदय तेथेच स्मारक बनविण्यात यावे अन्यथा या गोष्टीकरिता माझा अंदाजपत्रकाला विरोध आहे. दुर्गावती शाळा, आदर्शनगर येथे महानगरपालिकेची शाळा आहे. शाळेला आपण विद्यालय म्हणतो आणि विद्यालयाचा उपयोग बाजारपेठेसाठी करित आहे ही अत्यंत चुकीची गोष्ट आहे. महानगरपालिकेच्या शाळेला वाचनालयाचे रूप द्यावे कारण त्या ठिकाणी इमारत तयार आहे. त्या ठिकाणी खुर्च्या आहेत, सगळी व्यवस्था आहे त्याला वाचनालयाचे रूप देण्यास काही हरकत नाही. दुर्गावती शाळा या ठिकाणी विद्यार्थी संख्या फक्त 5 आहे. विद्यार्थ्यांची संख्या फक्त 5 असतांना ती शाळा बंद करण्यात यावी त्याच्या बाजूला असलेले वाचनालय सुरू करण्यात यावे. त्या ठिकाणी वाचनालयात स्पर्धा परीक्षेचा अभ्यास करण्या-या विद्यार्थ्यांसाठी बसण्याची व्यवस्था नाही ते विद्यार्थी बाहेर बसत असतात. त्यांची व्यवस्था त्या वाचनालयात करण्यात यावी अशी मी विनंती करते. एक चांगला विद्यार्थी या देशाचा चांगला नागरिक असतो. त्या विद्यार्थ्यांना महानगरपालिकेच्या शाळेत बसण्याची अनुमती द्यावी. त्या शाळेला एक चांगली इमारत वाचनालयासाठी तयार करावी अशी मी या सदनाला विनंती करते. सर्वांनी माझे भाषण ऐकून घेतले ते नुसते ऐकून न घेता मा. आयुक्त महोदयांना विनंती करते की मी जे काही आशीनगर झोन करिता आणि इतर विषयावर बोलले त्या विषयावर गंभीरतेने विचार करून काही तरी निर्णय घ्याल अशी विनंती करते आणि आपल्या शब्दांना विराम देते. धन्यवाद,

महापौर:-मा. विरोधी पक्ष नेते यांना विनंती आहे. निगम सचिवांनी जी काही वेळ दिली होती त्यापैकी 1 तास 33 मिनीटे त्यापैकी 45 मिनीटे झालेले आहे.

श्री.तानाजी वनवे:- मा.महापौरजी, तुम्ही म्हणत असाल तर आम्ही निषेध करून निघून जावू. ही परंपरा बरोबर नाही. एक सदस्य 15 मिनीटे बोलतो, दुसरा सदस्य 5 मिनीटे बोलतो. ज्यांचे नाव दिले होते त्यांचे नाव पुकारले नाही. जे आले त्यांचे नाव परत पुकारावे.

श्री. संदीप जोशी:- पाईट ऑफ इन्फोर्मेशन, सभागृहाची परंपरा आहे ही गोष्ट सत्य आहे. नियमात सभागृह चालवायचे तर परवाच्या दिवशी ज्या वेळेस सभागृह बंद केले त्या वेळेस आपण प्रशासनाला आदेश दिले. प्रशासनाने सांगितले, प्रत्येक पक्षाला वेळ दिला, प्रत्येक पक्षाला जो काही वेळ दिला त्या वेळेप्रमाणे निश्चितपणे चालविण्यात यावे.

श्री.तानाजी वनवे:- मा.महापौरजी, पाईट ऑफ इन्फोर्मेशन, सभागृह 10 वाजता सुरु होईल असे आपण सांगितले होते. परंतु सभागृह 10 वाजता सुरु न होता 11 वाजता उशिरा सुरु झाले. अनेक सदस्य उशिरा आले. आयुक्त सोडून बरेच अधिकारी उपस्थित नव्हते. मी 10 वाजता आलो आणि रजिस्टरवर सही केली.

श्री.सुनिल अग्रवाल:- पाईट ऑफ आर्डर, प्रशासन ने समय निश्चित किया था उसमे कोई कमी की क्या? सभागृह एक घंटा देरी से सुरु हुआ हो परंतु उस दिन बताये गये समय मे कमी हुई क्या?

श्री. जुल्फेकार भुट्टो:- मा.महापौरजी, स्थायी समिती अध्यक्ष, मा.सत्तापक्ष नेता, मा. विरोधी पक्ष नेता, मा.आयुक्त साहब, सभी पक्ष नेता, मा.सदस्यगण, पत्रकारबंधू, अधिकारी वर्ग. आज यहां पर बहोत महत्वपूर्ण चर्चा बजेट पर पिछले डेढ घंटे से चल रही है । मा.महापौरजी, हमारी परंपरा को आगे बढ़ाने का काम हमारे मित्र पोहाणेजीने चेअरमन के माध्यम से 3100 करोड बजेट यहा पर पेश किया । इनके बजेट मे उन्होने पेश किया जो जरूरी बाते है जो महानगरपालिका की ओर से शहर मे सिमेंट रोड के काम बहोत जोशोजोहद से चालू है । और इसके वजह नागपूर शहर के असेंब्ली मे पानी घुस गया था और उस पर चर्चा पुरे देश मे हुई थी । हमने इस ओर ध्यान देना चाहिए । मध्य नागपूर मोमीनपुरा क्षेत्र मे कई बार मैने आपसे विनंती की वहां का ड्रेनेज और सिवरेज सिस्टिम पुरी कोलॉप्स हो गई है, पुरी जर्जर हो गई है । उसको बनाने की बहोत जरूरत है । उसका एक डिपीआर तयार करना चाहिए । पिछले वक्त महाल झोन मे मा. पालकमंत्री साहब ने एक जनता दरबार लिया था। मैने उन्हे डीपीआर के बारे मे एक पत्र भी दिया । उन्होने उस बार पर निर्देश भी दिया था की डीपीआर तयार किया जाये । मुझे ऐसे पता चला है की डिपीआर आजतक तैयार नही हुआ है । जैसे की यह सिवरलाईन गोलीबार चौक, दादरे का पुल, तीनखंबा, भानखेडा, मोमीनपुरा, अंसार नगर, डोबीनगर, भगवाघर चौक, तकीया दिवाणशहा, लाल स्कूल इन क्षेत्रो का डीपीआर बनाना बहोत जरूरी था । वह नही हुआ था, मेरी इस सदन से मा. महापौरजी को विनंती है, डीपीआर बनाने के आदेश उन्होने वहां पर देना चाहिए । क्योंकि हमारा देश बहोत तरक्की कर रहा है और नागपूर शहर स्मार्ट सिटी बनने जा रहा है । हमारे नागपूर शहर मे महानगरपालिका के दस झोन है । जो काम गरीब विद्यार्थीके लिए हर झोन मे एक हायटेक स्कूल बनना चाहिए । एक आधुनिक स्कूल बनाने का इस बजेट समावेश करना चाहिए मेरी यह मा.महापौरजी से गुजारिश है । केशवराव बळीराम हेडगेवार इनके नाम से ई- लायब्रेरी जो महाल क्षेत्र मे शुरू किया गई । मैने पिछली बार पोहोणेजी को एक लेटर दिया की एक ई-वाचनालय हमारे प्रभाग क. 8 मे मोमीनपुरा क्षेत्र मे डॉ. अल्माना इकबाल अध्ययन कक्ष है वह शुरू किया जाये । ई-लायब्रेरी आधुनिक युग के इस दौर मे गरीब बच्चो को, जरूरतमंद लोगो के बच्चो के लिए उस स्कूल मे बराबर से सामील होने के लिए अपने महानगरपालिका ने उनको पुरा अवसर देना चाहिए । मोमीनपुरा क्षेत्र के गोलीबार चौक और पाचपावली क्षेत्र मे दुषित पाणी की समस्या है । हम अपने आपको बता रहे है की हम बहोत हायटेक लोग है परंतु जब 1000 करोड का बजेट होता था, हर बजेट मे 200 करोड, 300 करोड बढ़ा देना बहोत मामूली बात है । परंतु मैने आज तक देखा नही की कोई चेअरमन हो या प्रशासन हो इस साल बजेट सक्सेस होगा की नही । जो भी खर्चा है इस बजेट का विकास काम हुआ की नही । सन 2018 और 2019 मे जो फाईल मंजूर की गई थी उसका टेंडर भी हुआ था उसके वर्कआर्डर

अभी तक हुए नहीं । यह बहोत दुःख की बात है, उसका काम अभी तक पूर्ण हुआ नहीं । और उसकी सुद लेना वाला भी कोई नहीं है । इस नागपूर महानगरपालिका का बजेट बनाना बहोत बड़ी बात नहीं परंतु उसका इम्प्लीमेंट होता है क्या? वार्ड फंड में जो राशी दी जाती है वह राशी खर्च हुई है क्या? हम बारबार ठेकेदारों को काम करने के लिए बोलते हैं परंतु ठेकेदार का कहना है की जो छोटे काम करने वाले ठेकेदार हैं उनके बील का भुगतान पिछले दो-तीन साल से हुआ नहीं है । बहोत से ऐसे ठेकेदार हैं जिन्होंने काम तो ले लिया है परंतु पैसा नहीं होने के वजह से वहां पर स्लम में, दलित वस्तीयों में, गरीब क्षेत्रों में वे काम नहीं रहे हैं इस की सुद भी मा.आयुक्त साहब ने और मा.महापौरजीने यहां पर लेनी चाहिए । सिर्फ रोड ही इस शहर के डेवलपमेंट को आगे नहीं बढ़ायेगा और बाकी सब चीजें भी बरोबर होनी चाहिए । मेरी आप से यही गुजारीश है, जो ठेकेदार है वह काम क्यों नहीं कर रहे हैं इसकी तह तक जाना पड़ेगा । कम से कम स्लम एरिया में दलित बस्ती में उनसे वह काम करवा के लेना है । दुषित पानी आ रहा है बारंबार उससे कहीं सारे लोगों को जॉन्डीस हो रहा है । वहां पर काम करने की आवश्यकता है तो वॉटरवर्क्स वालों को आपके माध्यमसे आदेश देना चाहिए । वह ठेकेदाराने 60-70 लाख लोकसंख्या के प्रभाग में काम करने के लिए आगे आने चाहिए । पानी ऐसी चीज है जो हर रोज में जरूरतमंद चीज है । मा.महापौरजी, मा. आयुक्त जी से गुजारीश है पर्सनल दखल लेके उस काम को जड़ से निपटा देना चाहिए । दुषित पानी भगाव ऐसा एक अभियान लेके वह काम करना चाहिए । यह बजेट बारबार बढ़ाने से अच्छा इस बजेट में पिछले बजेट में काम क्यों नहीं हुए इसलिए इंजीनियर लोगों को डेडलाइन देनी चाहिए । यह इस साल यह बजेट है और अगला साल का बजेट होने तक यह काम पूरे होने चाहिए । जब तक हम ऐसे आदेश नहीं देंगे तो ऐसा ही चलते रहेगा । सही मानो में हम काम करना चाह रहे हैं तो सही दिशा में काम होना चाहिए । यहां पर मा.महापौरजी मुझे बोलना का मौका दिया मैं आपका धन्यवाद अदा करता हूँ ।

श्री.दुनेश्वर पेटे:- मा.महापौरजी, मा.महापौरजी, 2019-20 के बजेट मा.स्थायी समिती अध्यक्ष श्री. प्रदीप पोहाणे यांनी अतिशय मेहनत करून मांडले आहे. दरवर्षी प्रमाणे या बजेटमध्ये फार मोठी वाढ केली ही वाढ करीत असतांना मला वाटते स्थायी समिती अध्यक्षांनी खुप अभ्यास केला असेल आणि म्हणूनच 200 कोटीने वाढ केली आहे. इतकी 200 कोटीची वाढ करतांना आपण बघितले. मागच्या वेळेस श्री.विरेंद्र कुकरेजा यांनी बजेट मांडले. वर्षाअखेर मा.आयुक्तांनी त्यांच्या बजेटला 40 टक्क्याची कात्री सुध्दा लावली. असे बजेट होत असेल तर अशा प्रकारे बजेट वाढवून काही उपयोग नाही. अंदाजपत्रकामध्ये वर्षाचा एक आराखडा देत असतांना त्यामध्ये शहरातील सर्व जनतेला काय काय देवू शकतो याचे नियोजन करतो. नियोजन केल्यानंतर सुध्दा आपण त्यांना कुठल्याही सुविधा देत नाही आणि ते वर्ष तसे निघून जाते. मा.महापौरजी, मा. स्थायी समिती अध्यक्षांना विनंती आहे त्यांनी ज्या परिश्रमाने बजेट तयार केला तेवढे परिश्रम घेवून महानगरपालिकेची आय वाढवून ते बजेट पूर्णत्वास न्यावे एवढीच विनंती करतो. शहरात परिवहनाची व्यवस्था अत्यंत गंभीर आहे. आपल्या शहरात बसेस कशा पध्दतीने चालतात हे आपल्याला माहीत आहे. आपण 10 हजार करोडचा मेट्रोचा प्रस्ताव आणला आणि तेथे मेट्रो सुरू झाली. आपण 10-10 कोटी मेट्रोवर खर्च करीत असतांना आपण काहीही लक्ष रोड ट्रान्सपोर्टवर दिले नाही. अशा वेळेस जर आपण जी महत्वाची गरज आहे ती म्हणजे रोड ट्रान्सपोर्ट. शहरातील रोड ट्रान्सपोर्ट पाहता जास्तीत जास्त ग्रामीण मधील लोक बसेसचा उपयोग करतात. अशा परिस्थितीत बसेस किती प्रमाणात शहरात चालतात, काय होत आहे हेही सगळ्यांना माहीत आहे. काही दिवसापूर्वी मुंबईला एक निर्णय झाला. बेस्टमध्ये प्रवासी जे 8 रु.ची तिकीट घ्यायचे ते 15 रु.वर आणले. 50 रु.च्या दर दिवशी पासच्या माध्यमातून पूर्ण शहर बघायचे ते 50 रुपयांवरून

129 रुपयावर आणले. अशा सुविधा जनतेला देणार नसाल तर बजेटमधून जनतेला न्याय देणार नाही. आपल्या माध्यमातून आयुक्तांना मा.महापौरजी आपल्या माध्यमातून मा.आयुक्त साहेबांच्या माध्यमातून मा.स्थायी समिती अध्यक्षांना विनंती आहे. काही चुकले असेल निधीमध्ये कमी पडले असेल तर आपल्याकडे आताही वेळ आहे. रोड ट्रान्सपोर्टकरिता निधी वाढवून दयावा अशी आग्रहाची विनंती करतो. दुसरे, मनपा शाळेकरिता 50 लक्ष रु. ठेवले आहे. प्राथमिक शाळेकरिता आणि माध्यमिक शाळेकरिता 15 लक्ष रु. ठेवलेले आहे. मा.महापौरजी, आयुक्त साहेब, महानगरपालिकेच्या शाळेची परिस्थिती सगळ्यांना माहीत आहे. आज आपल्या महानगरपालिकेच्या कोणत्याही शाळेकरिता मुले मिळत नाही. आज मुले न मिळण्यामागचे कारण आपल्याला माहीत आहे. आपण त्यांना चांगले शिक्षक देवू शकत नाही. चांगल्या इमारती नाहीत. शाळा आहेत तर शिक्षक नाहीत. शिक्षक आहेत तर विद्यार्थी नाहीत आणि विद्यार्थी आहेत तर इमारती नाही अशी जी परिस्थिती आहे तर त्यावर आपल्याला विचार करावा लागेल. 50-65 लक्ष रु. ची तरतूद करीत असाल आणि शहरातील मुलांना शिक्षण देण्याचा प्रयत्न करतो म्हणत असाल तर हे शक्य होणार नाही. खाजगी शाळेच्या फी मध्ये वाढ झालेली आहे अशा परिस्थितीमध्ये वेगवेगळे खर्च आपण बरेच करीत असतो. 1200 कोटीचा निधी नदी नाल्याचे सौंदर्यीकरणाकरिता खर्च करीत असतो. परंतु खरोखरच या मुलांवर जे या देशाचे भविष्य आहेत. त्या मुलांसाठी कोठलेही नियोजन करीत नाही. शिक्षणाच्या दृष्टीने कोणताही खर्च करीत नाही. माझी आपणांस विनंती आहे, एक खर्च जर कमी केला आणि त्याचा उपयोग या मुलांच्या शिक्षणासाठी जर त्याचा उपयोग होत असेल ते वाढवून देण्यात यावे. मा.महापौरजी, शहरात अत्यंत जुन्या वस्त्या झाल्या आहेत. गटाराच्या रोज तक्रारी येत असतात. येथे नगरसेवक बसलेले आहेत. सगळ्यात जास्त जर कुठल्या तक्रारी येत असतील तर त्या फक्त गटाराच्या तक्रारी येत असतात. आपल्याकडे सक्शन मशीन नाही, जेट मशीन नाही, ज्या काही असतील त्या बंद पडलेल्या आणि तुटलेल्या आहेत. एखादी मशीन असेल त्यांचे पार्ट दिल्लीवरून मागवावे लागतात. त्या अधिका-याला इतका अधिकार नाही की तो पैसे देवून तो पार्ट मागवू शकेल. एखाद्याच्या गटार चोक झाली असेल तर त्याच्या घरामध्ये स्वयंपाक तेथेच करत असेल, तेथेच खात असेल तेथेच पीत असेल तर दोन-चार आठ दिवस त्याचे आपल्या या दुर्लक्षपणामुळे खुप त्रासाचे जाते. यासाठी संपूर्ण शहरासाठी 6 कोटीची तरतूद केली आहे ही 6 कोटीची तरतूद संपूर्ण शहरासाठी ती तरतूद काही बरोबर नाही. त्यासाठी वाढीव तरतूद करावी लागेल. शहरात जुन्या वस्त्या झाल्या आहेत. खुप मोठी प्रमाणात जनसंख्या वाढली आहे. आपल्याला या गटारी बदलाव्या लागतील. आपण शहरात सिमेंट रस्ते तयार करीत आहे परंतु ज्या मुलभूत गरजा आहेत त्याकडे दुर्लक्ष करीत आहेत. मा.महापौरजी, जे बजेट ठेवलेले आहे त्यामध्ये आपल्याला स्थायी समिती अध्यक्षांना आणि मा.आयुक्तांना या सगळ्या गोष्टीचा विचार करावा लागेल. मा.महापौरजी, नागपूर शहरात अनेक महापुरुषांचे पुतळे आहेत. डॉ. बाबासाहेब आंबेडकरांचा पुतळा पुर्व नागपूर येथे ज्या ठिकाणी आहे तेथुन एक मेट्रो गेली आहे. डॉ.बाबासाहेब आंबेडकरांचा पुतळा त्याच्या खाली आलेला आहे. त्या ठिकाणाहून मेट्रो जात आहे त्यामुळे त्या पुतळ्याला काहीही होवू शकते. महानगरपालिकेच्या माध्यमातून याचे नियोजन केले गेले नाही त्या निमित्ताने विनंती करतो. यासाठी जो निधी ठेवलेला आहे. जगनाडे चौकात संत जगनाडे महाराजांचा पुतळा आहे. सगळ्यात मोठी जागा आपण एका हॉस्पिटलला देवून टाकली. एका हॉटेलला देवून टाकली ती जागा संत जगनाडे महाराजांच्या स्मारकासाठी होती. आपण एक हजार फुटावर ती जागा आणली. एका महापुरुषांच्या पुतळ्याच्या बाबतीत असे करणे काही बरोबर नाही. तसेच डॉ. राजेंद्रप्रसाद आणि डॉ.सुभाषचंद्र बोस यांचे सुध्दा पुतळे आहेत. मा.गडकरी साहेबांनी संत तुकाराम महाराजांचा पुतळा करण्याकरिता त्याचे भुमिपूजन केले होते. आणि महानगरपालिकेकडून करावयाचे असेल तर त्याकरिता तरतूद ठेवली

पाहिजे. त्यासाठी तरतूद ठेवली जात नसल्यामुळे 5 वर्षांपासून झाले नाही. अशी प्रकारे जर तरतूद ठेवली जात नसेल तर पुढे 5-10 वर्षात सुध्दा होणार नाही. मी विनंती करतो, या महापुरुषांच्या पुतळ्याकरिता जो राखीव निधी ठेवला आहे त्या राखीव निधीत वाढ करण्यात यावी. 24 बाय 7 पुर्व नागपूरात 2012 पासून सुरु झालेली आहे. 24 बाय 7 योजना कार्यान्वित करण्याकरिता ओसीडब्लू ला दिलेली आहे. 7 वर्ष झाले परंतु एक किंवा दोन वस्तीमध्ये 24 बाय 7 नुसार पाणी देणे सुरु आहे. आज जर 24 बाय 7 नुसार पाणी देवू शकत नसेल तर एवढा पैसा आपण जो ओसीडब्लू ला बिना कामाने देत आहे आपण याची काळजी घ्यावी. मला बोलण्याची संधी दिली त्याबद्दल धन्यवाद. मा. स्थायी समिती अध्यक्ष पोहाणे साहेबांनी अत्यंत चांगले असे बजेट मांडले त्यात मी सांगितलेले सुचना आणि तरतूदी केल्या तर बरे होईल. धन्यवाद.

श्री.संदीप सहारे:- मा.महापौरजी, मागील अनेक वर्षांपासून मी या सभागृहाचा सदस्य आहे. अनेक मा.स्थायी समिती अध्यक्षांनी या सभागृहामध्ये अंदाजपत्रक मांडले आणि या शहराच्या विकासांमध्ये आपला हातभार लावण्याचा प्रयत्न त्यांनी केला आहे. परंतु मागील अनेक वर्षांपासून विचार केला तर आमच्या लक्षात असे येईल की जेव्हा जेव्हा नागपूर शहराचे अंदाजपत्रक सादर करण्यात आले ते अंदाजपत्रक फुगवून दाखविण्यात आले यात काही शंका नाही. 2012-13 मध्ये अंदाजपत्रक सादर करण्यात आले होते ते अंदाजपत्रक 1128 कोटीचे होते. प्रत्यक्षात उत्पन्न झाले होते 940 कोटीचे होते. जी तफावत आली होती जो फरक आला होता तो 180 कोटीचा होता. 2013-14 मध्ये जे अंदाजपत्रक सादर करण्यात आले होते ते आणखी वाढवून 1428 कोटीचे केले होते. प्रत्यक्षात उत्पन्न होते 831 कोटीचे होते त्यावेळेस तफावत होती जो फरक 596 कोटीची होती. अशाप्रकारे दरवर्षी ही तफावत होत गेली हे आम्ही बघितले आहे. मागच्या वर्षी 2018-19 मध्ये 2946 कोटीचे अंदाजपत्रक सादर करण्यात आले. हे अंदाजपत्रक सादर केल्यानंतर आमची आर्थिक परिस्थिती चांगली नसतांना इतके मोठे अंदाजपत्रक सादर केले गेले. प्रत्यक्षात राज्य शासनाच्या उपकारावर आम्हांला जे उत्पन्न प्राप्त झाले होते ते 2017.75 कोटीचे आणि 958.25 कोटीची तफावत याच्यामध्ये होती. यावरून असे सिध्द होते आम्ही जे नागपूर शहराच्या विकासासाठी अंदाजपत्रक सादर करतो तर ते लोकांना घोषणा देवून आम्ही काही तरी करत आहो हा त्यामागचा उद्देश होता हे यावरून सिध्द होते. मागील वर्षी स्थायी समिती अध्यक्षांनी जे अर्थसंकल्प सादर केला ते अर्थसंकल्प पूर्णपणे ढासळला कारण त्यावर आयुक्त महोदयांनी 40 टक्के पर्यंत कपात आणली. ती कपात आणल्यामुळे त्यांनी ज्या वेळेच्या घोषणा केल्या होत्या त्या घोषणा काहीही पूर्ण होवू शकल्या नाही. एकीकडे आम्ही पाहिले तर महानगरपालिकेचे उत्पन्न आहे त्यातील अर्ध्या पेक्षा जास्त वाटा आमच्या वेतनात, पेन्शनमध्ये, मालमत्ता किंवा इतर कामाकरिता खर्च होतो आणि त्यामुळे उत्पन्नाच्या तुलनेत 30 ते 40 टक्के उत्पन्न कमी राहते आणि त्यामुळे आमचा जो विकास कामाकरिता निधी मिळतो तो 10 ते 20 टक्के निधी शिल्लक राहतो त्यामुळे शहराचा विकास होत नाही. 10 ते 20 टक्के निधीतून शहराच्या विकासासाठी काम करतांना असे लक्षात आले की स्थायी समिती अध्यक्षांना काही पत्र दिले किंवा आमच्या प्रभागामध्ये विकास कामे करण्यासाठी आम्हांला निधी द्यावा तर त्याच्यामध्ये भेदभाव करण्याचे काम केले जाते. मला म्हणतांना खेद व्यक्त करावा लागतो की मी मागचा अर्थसंकल्प सादर केल्यानंतर माजी स्थायी समिती अध्यक्षांना विनंती केली त्यांना दोन-तीन फाईलकरिता निधी मागितला त्यांनी निधी दिला नाही. अशा प्रकारचा भेदभाव या अर्थसंकल्पाच्या माध्यमातून स्थायी समिती अध्यक्ष करीत आले आहे. मागच्या अनेक वर्षांपासून आपण पाहतो शुक्रवारी तलावाजवळ खाऊगल्ली तयार केली त्यातून अनेक लोकांना रोजगार मिळेल असा त्यामागचा उद्देश होता. शुक्रवारी तलावाजवळ सायंकाळच्या वेळेस शुक्रशुकाट असतो त्या ठिकाणी चांगले वातावरण निर्माण व्हावे असा उद्देश होता. या अर्थसंकल्पात

खाऊगल्लीकरिता काहीही प्रावधान केले नाही. बंडू भाऊ हे स्थायी समिती अध्यक्ष होते तेव्हा त्यांनी दीड करोड रु. खर्च करून झोनला खाऊगल्ली तयार करण्याचा प्रयत्न केला होता. ती खाऊगल्ली ती अपुर्ण राहिली आहे ती पुर्ण करण्याकरिता काहीच निधी ठेवला नाही यावरून जेथे खाण्याचे पदार्थ मिळणार होते तेथे आता लोकांना दगड विटा पाहायला मिळणार आहे. मा.महापौरजी, सन 2015-16 पासून प्रत्येक अर्थसंकल्पाच्या बाबतीत बघितले तर यावर्षी जे बजेट मा. स्थायी समिती अध्यक्षांनी सादर केला त्यावरून असे लक्षात येते त्यांनी 2051 करोडचे अधिकचे बजेट सादर केलेले आहे. त्याच्यामध्ये 60 टक्के मागील घोषणा होत्या त्या कमी केल्या आहेत. या घोषणेमध्ये असे होते, कुठे गेली ती लाडली लक्ष्मी योजना, याचा कुठेही उल्लेख नाही. त्यामुळे या योजनेच्या माध्यमातून जे काही आपण आपल्या मुलींना देवू शकत होतो ते आपण देवू शकणार नाही. त्याचप्रमाणे टाऊन हॉलच्या निर्मितीकरिता सन 2015-16 मध्ये स्थायी समिती अध्यक्ष शिंगारे यांनी प्रावधान ठेवले होते. सन 2016-17 मध्ये स्थायी समिती अध्यक्ष बंडू राऊत यांनी 5 कोटीचे प्रावधान केले होते. सन 2017-18 आणि 2018-19 मध्ये 10-10 कोटीचे प्रावधान टाऊन हॉल निर्मितीकरिता करण्यात आले होते. एक लक्षात आले की आम्ही सातत्याने सन 2015 पासून टाऊन हॉल निर्मितीकरिता निधी ठेवतो. हा टाऊन हॉल सुधारण्याकरिता निधी ठेवून सुद्धा या टाऊन हॉल चे काम केलेच नाही. या वर्षी मा. स्थायी समिती अध्यक्ष पोहाणे यांनी 10 कोटी रु. ठेवले आहे या टाऊन हॉलची सुधारणा करण्यात यावी. आणि या हॉलमध्ये जे एक्स्ट्रा कुलर लागले आणि गर्मीमुळे येथे बसलेल्या नगरसेवकांना त्रास सोसावा लागतो. मा.महापौरजी, डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर जन्मशताब्दी स्मारकाचा विषय आहे. जेव्हा डॉ. बाबासाहेबांच्या जन्म वर्षाला 100 वर्ष 1991 ला झाले होते तेव्हापासून मागणी होत आहे. प्रत्येक वेळेस बजेटमध्ये प्रावधान करण्यात येते. परंतु मागच्या वेळेस या सभागृहामध्ये वचन देण्यात आले होते. याचवर्षी याचे भुमिपूजन होवून काम सुरू होईल जे आजपर्यंत झालेले नाही. याकरिता मी या बजेटचा निषेध करतो. डॉ.बाबासाहेब आंबेडकरांचे जन्मशताब्दी विसरले, होवू शकते परंतु शिवसेनेशी तुमची युती आहे, तुमची मैत्री आहे. ज्यांच्यासोबत मिळून तुम्ही सत्ता स्थापन केली. केंद्रामध्ये सत्ता स्थापन केली, देशात सत्तेवर आहात त्या शिवसेनेचे संस्थापक बाळासाहेब ठाकरे यांचे सांस्कृतिक, कला व क्रिडा व सांस्कृतिक स्मारकासाठी 2 करोडचे प्रावधान याही वेळेस प्रावधान केले आहे 2015 पासून प्रावधान करणे सुरू आहे ते आतापर्यंत प्रावधानच सुरू आहे त्यावर काहीही झालेले नाही. ही निश्चितच घोषणाच ठरणार आहे यावेळेस असे म्हणायला काही हरकत नाही. मा.महापौरजी, एनआयटीचे 572 आणि 1900 लेआऊट महानगरपालिकेला हस्तांतरीत झाले. महानगरपालिकेला 572 आणि 1900 लेआऊट हस्तांतरीत झाल्यानंतर त्या एरियामध्ये राहणा-या नागरिकांची मनापासून इच्छा होती त्यांच्यामध्ये चांगला आनंद निर्माण झाला की आमच्या वस्त्यामध्ये चांगली विकास कामे होतील. 572, 1900 लेआऊटच्या विकासासाठी आतापर्यंत 100 कोटीचे प्रावधान ठेवले. 100 कोटीचे प्रावधान ठेवल्यानंतरही या भागामध्ये आजपर्यंत व्यवस्थित रस्ते नाहीत, गडरलाईन नाहीत तर पाण्याची समस्या कायम आहे. आता बाल्याजी बोरकर बोलले, त्यांनी वाडीचे उदाहरण दिले. नागपूर शहरात भरपूर पाणी आहे. वाडी क्षेत्रामध्ये 24-24 तास लोक गुंड, ड्रम घेवून उभे राहतात. जेएनएनयुआरएम अंतर्गत ओसीडब्लू अंतर्गत हजारो, करोड रुपये देवून नागपूर शहराला पाणी पुरवठा करण्याचे वचन दिले होते. तुमच्याच नगरसेवकांनी पाण्याच्या टाक्यावर झगडे केले. तुम्हीच या सभागृहात सांगतात की नागपूर शहरात भरपूर पाणी आहे तर मग मोर्चे कशाला निघतात हे त्यांनी सांगायला पाहिजे होते. मा. महापौरजी, 572 व 1900 लेआऊटकरिता 2015-16 मध्ये 30 कोटीचे प्रावधान केले होते. 2016-17 मध्ये 25 कोटीचे प्रावधान केले होते. 2017-18 मध्ये 20 कोटीचे प्रावधान केले होते. तर 2018-19 मध्ये 20 कोटीचे प्रावधान केले होते. याही वर्षी अर्थसंकल्पात 25 कोटीचे प्रावधान केले आहे. इतके



प्रावधान प्रत्येक वर्षी झाल्यानंतरही इथल्या मुलभूत समस्या जशाच्या तशा आहेत. तेथे गडरलाईन पाहिजे, रस्ते पाहिजे, वीज पाहिजे परंतु आजपर्यंत झालेले नाही. त्यामुळे अर्थसंकल्पात केलेले जे काही प्रावधान आहे ही घोषणाच ठरणार आहे हे या अर्थसंकल्पाच्या अनुषंगाने सांगावयाचे आहे. आज नागपूर शहरात सिमेंट रस्ते तयार होत आहेत आणि जे रस्ते टप्पा 1, टप्पा 2 आणि टप्पा 3 चे वाचलेले आहे. सिमेंट रस्ते करीत आहात चांगली गोष्ट आहे. परंतु आताच भुट्टो यांनी उल्लेख केला की सिमेंट रस्ते तयार करतांना गडरची व्यवस्था, पाण्याच्या निकासासाठी व्यवस्था योग्य रित्या होत आहे काय ? मागच्यावेळेस विधान भवनामध्ये पावसाचे पाणी शिरले होते. याही वेळेस व्यवस्था केली नाही तर संपूर्ण नागपूर शहरात लोकांच्या घरात पाणी शिरेल. सिमेंट रस्त्यांची गोष्ट करतांना त्याच्या गुणवत्तेची गोष्ट करीत नाही. याकरिता किती अधिका-यावर कार्यवाही केली जे सिमेंट रस्ते केले त्या रस्त्यावर भेगा पडलेल्या आहेत. अनेक वर्तमानपत्रात सिमेंट रस्त्याच्या गुणवत्तेच्या संदर्भात लिहिले गेले. यासाठी अनेक संस्थानी मोर्चे काढले परंतु त्यावर काही केले नाही. मा.महापौरजी, नागपूर शहरामध्ये आधी सोडियम व्हेपरचे लाईट होते त्यामध्ये विजेची खपत जास्त होती म्हणून विजेची खपत कमी करण्याकरिता म्हणून एलएडी लाईट लावण्याचा निर्धार केला. हा उपक्रम 2016-17 पासून सुरू आहे. या लाईटच्या बाबतीत कोर्टापर्यंत हे प्रकरण गेले आहे. नागपूर शहरामध्ये 1 लक्ष 38 हजार विद्युत खांब आहेत त्या ठिकाणी एलएडी लाईट 60 ते 70 टक्के लावण्यात आले आहे असे अर्थसंकल्पात नमुद आहे. 60 ते 70 टक्के एलएडी लाईट लावले. जे एलएडी लाईट लावले त्या संदर्भात मी माहिती अधिकारा अंतर्गत विभागाला प्रश्नही केला. होता. जे एलएडी लाईट विकत घेतला तो कितीचा आहे. त्या माहिती अधिकारात अंतर्गत माहिती देण्यात आली की 36 वॉल्टचा लाईट आहे त्याची किंमत 9900 रु.आहे. नागपूर शहरामध्ये मार्केटमध्ये फिलीप्सचे जे मेन डिलर्स आहेत त्यांच्याकडे जावून एलएडी लाईटचे रेट कन्फर्म केले. नेटवर रेट पाहिले तेव्हा लक्षात आले की त्या 36 वॉल्टचा लाईट 3600 रुपयामध्ये मिळतो. 3600 रुपयाचा लाईट आम्ही 9900 रुपयामध्ये घेतला यात किती मोठा भ्रष्टाचार आहे. आपण आपल्या घरासाठी एलएडी लाईट विकत घेतला तर त्याची गॅरन्टी मिळते. तो लाईट खराब झाला तर त्याच्या जागी नवीन लाईट मिळतो. आपल्या विभागाने तो एलएडी लाईट तर महागात घेतला तर घेतला आणि मॅटेन्सकरिता एक्स्ट्रा पैसा देण्याचा प्रयत्न केला. ठाणे महानगरपालिकेने एलएडी लाईट लावण्याचा उपक्रम केला त्या अंतर्गत ठाणे महानगरपालिकेने 90 वॉल्टचे लाईट ठाणे शहरात लावले. त्या एका लाईटची किंमत 9500 रु. आहे. आमच्या विभागाने 36 वॉल्टचा एलएडी लाईट 9900 रुपयात घेतले. त्यांनी फिलीप्स कंपनीचे लाईट घेतले आणि आमच्या विभागाने सुध्दा फिलीप्स कंपनीचे लाईट घेतले परंतु दोन्हीच्या किंमतीत किती मोठी तफावत आहे. एकच कंपनी कसे काय करू शकते म्हणून याच्या मध्ये फार मोठा भ्रष्टाचार झाला आहे. याची निश्चितच चौकशी झाली पाहिजे. मी मागील काही दिवसामध्ये विभागाला एक पत्र दिले होते. नागपूर शहरामध्ये किती एलएडी लाईट लागले त्याच्या मध्ये आधी किती उर्जेची बचत झाली आणि किती खर्चाची कमतरता झाली. मी साधारण पत्र दिल्यामुळे त्यांनी उत्तर दिले नाही. मा.महापौरजी, मा. आयुक्त महोदय आपल्याला विनंती करतो, जर एखाद्या नगरसेवकाने साधारण पत्र देवून माहिती मागितली तर ती माहिती उपलब्ध करून देण्यात यावी असे आपण निर्देश दयावे. माझ्या सोबत एक फार मोठी घटना घडली मा.महापौरजी, मी पत्रामध्ये आधी लागलेले सोडियम व्हेपरच्या लाईटमुळे किती उर्जेची खपत होत होती आणि आता लावलेल्या एलएडीमुळे किती उर्जेची बचत होत आहे. आधी लावलेल्या सोडियम व्हेपर लाईटमुळे किती खर्च येत होता आणि आता एलएडी लाईट लावल्यामुळे किती खर्चाची बचत होत आहे अशी माहिती मागितली होती. त्यांनी मला माहिती देण्यासाठी 1,05,596 लक्षाची डिमांड केली आहे आणि 1,05,596 इतकी डिमांड भरणे माझ्या

आवाक्याच्या बाहेर आहे. मी माझ्या घरासाठी माहिती मागितली नाही तर नागपूर शहरातील जनतेच्या पैश्याचा दुरुपयोग होत आहे तो दुरुपयोग होवू नये याकरिता माहिती मागितली होती. ती माहिती मला मिळाली नाही म्हणून या बजेटच्या चर्चा सत्रात आयुक्तांना विनंती करतो. नगरसेवकांनी जी काही माहिती मागतील त्यांना ती माहिती दिलेल्या अवधीत निशुल्क उपलब्ध करून देण्यात यावी अशी त्यांना विनंती करतो. मा.महापौरजी, रोटरी नावाची संघटना आपल्या महानगरपालिकेला जॉईन झाली होती. संघटना जॉईन झाल्यानंतर त्यांनी एक प्रपोजल दिले की 50 ठिकाणी महिलांसाठी शौचालय बांधून देवू. आज अशी स्थिती आहे. गर्दीच्या ठिकाणी, बाजाराच्या ठिकाणी महिलांना फार अडचणीचे जाते. त्याच्यामुळे अनेक महिलांचे आरोग्य बिघडत आहे. त्याकरिता आपण महिलांच्या सोयीकरता शौचालय बांधण्याचा प्रस्ताव दिला. मागील 5 वर्षांपासून हा प्रस्ताव आहे आणि शौचालय फक्त 13 झाले. ते शौचालय तयार झाले परंतु त्याची स्थिती पुर्ण खराब आहे. आता पुन्हा स्थायी समिती अध्यक्ष महोदयांनी घोषणा केली, आम्ही महिलांसाठी शौचालय बांधू. या वर्षी निश्चित होतील की आणखी 5 वर्ष की 15 वर्ष वाट बघावी लागेल याबद्दल शंका आहे. मा.महापौरजी, पाण्याची टंचाईबाबत मी आताच बोललो, नागपूर शहरामध्ये 13 तलाव आहेत. हरीश ग्वालवंशी यांनी मागच्या सभागृहामध्ये तो प्रश्न उपस्थित केला होता. यावर्षी नागपूर शहरात पाऊस पडला नाही, पाण्याची टंचाई निर्माण होईल हे निश्चित आहे. आपण प्रत्येक वर्षी नाईक तलावाची साफ करतो, सोनेगाव तलाव, फुटाळा, अंबाझरी तलावाची सफाई करतो. राज्य सरकारकडून त्याकरिता 29.32 कोटीचा निधी उपलब्ध झाला कुठे गेला माहीत नाही. हे तलाव साफ झाले असते तर याचे पाणी पिण्याकरिता उपयोगात आले असते. जी जल समस्या निर्माण झाली आहे ती संपली असती. ही घोषणा आताची नाही तर मागील 5 वर्षांपूर्वीची ही घोषणा आहे. नाईक तलाव 15 वर्षांपासून नाईक तलाव साफसफाई करिता घेत आहे. आम्ही फक्त बजेटमध्ये घोषणाच करायचे आणि लोकांना लॉलीपॉप द्यावयाचे आणि परंतु करावयाचे काहीच नाही अशा पध्दतीने सत्तापक्षाचा कारभार सुरू आहे. मा.महापौरजी, नागपूर शहरामध्ये आज शिक्षणाची फार गरज आहे. नागपूर शहरात अनेक स्लम वस्त्या आहेत. त्या स्लम वस्त्या मध्ये नागपूर महानगरपालिकेतर्फे अनेक वाचनालय सुरू आहेत त्यांची काय दशा आहे हे आपल्याला माहीत आहे. अत्याधुनिक असे हेडगेवार वाचनालय महाल येथे तयार झालेले आहे. 8 कोटीचे प्रावधान करून ठेवलेले आहे निश्चितच अभिनंदनीय बाब आहे. माझे हे पाचवे बजेट आहे. उत्तर नागपूरमध्ये डॉ. नितीन राऊत यांनी महाराष्ट्र सरकारच्या माध्यमातून एक ई-लायब्रेरी अत्याधुनिक अशी अद्यावत लायब्ररी तयार केली आणि या लायब्ररीमध्ये विद्यार्थ्यांना बसण्याकरिता अशा प्रकारचे आरामदायी चेअर आहेत. विद्युत पुरवठा खंडीत झाला तर विद्यार्थ्यांना अभ्यासात व्यत्यय येवू नये म्हणून जनरेटरची व्यवस्था आहे. तेथे एसीची व्यवस्था आहे. स्टॅण्डर्ड प्रकारचे फर्निचर आहे, वॉटर मशीन आहे सगळे काही केलेले आहे. मागील 5 वर्षांपासून मी सभागृहात यावर भाषण करतो, पत्रव्यवहार करतो. परंतु प्रावधान नाही, यावर्षी 50 लक्ष दिले. परंतु त्या 50 लक्षामध्ये ई वाचनालय तयार होणार नाही. इमारत तयार आहे परंतु त्यात पुस्तके आणि ई-लायब्ररीकरता दीड कोटीचा खर्च येणार आहे. 3 लायब्ररी सुरू होण्याच्या मार्गावर आहेत ते मार्ग सुरू होण्यासाठी आधी स्थायी समिती अध्यक्षांना विनंती करतो जे 50 लक्ष रु. ठेवले आहे ते या अर्थसंकल्पात दीड कोटी करावे. ते वाचनालय याच वर्षी सुरू झाले तर उत्तर नागपूरातील स्लम भागातील गोरगरीब विद्यार्थ्यांना त्याचा लाभ होईल. ऑरेन्ज स्ट्रीट प्रकल्प याचा उल्लेख केलेला आहे. आधी लंडन स्ट्रीट होते आता लंडनच्या जागी ऑरेन्ज स्ट्रीट करण्यात आले. मा.सत्तापक्ष नेते संदीपजी जोशी यांच्या काळापासून ऐकत आलो आहे. त्यांनी पहिल्यांदा अर्थसंकल्पात हा प्रकल्प सादर केला. पहिल्यांदा टाकले, दुस-यांना लंडन स्ट्रीट टाकले त्यानंतर ऑरेन्ज स्ट्रीट टाकले. जो येतो तो ऑरेन्ज स्ट्रीट टाकतो. आता म्हणे भुमीपूजन झाले, हबीब

कॉन्ट्रक्टरला डिझाईन बनवायला दिली आहे. आता बनविले की लोकांना उपलब्ध करून देणार आहे. घोषणा देण्याचा कार्यक्रम या बजेटमध्ये सुरू आहे. नागनदी सफाई, हे अनेक वर्षांपासून प्रकल्प पाहून राहिलो. नागनदीच्या सफाईकरिता करोडो रूपयाचा खर्च होत आहे. नागनदीचा गाळ काढला. यावर्षी नाही पोहरा नदीचा उल्लेख आहे ना पिवळी नदीचा उल्लेख आहे ना चांभार नाल्याचा उल्लेख आहे. काही हरकत नाही. मागच्या वर्षी नागनदीची सफाई झाली, कशी झाली त्याचे मोठमोठे वर्तमानपत्रात फोटो छापून आले. नागनदीची सफाई कशी झाली तर गाळ काढला आणि किना-यावर लावला, पाऊस आला आणि पुन्हा गाळ नागनदीत गेला. मागच्या दोन-तीन वर्षांपूर्वी ऐकले की या नागनदीमध्ये बोट चालवू अरे पण गटारीतून पाणीच येत नाही तर नागनदीत पाणी कसे येणार आणि पाणीच नाही तर बोट कशी चालविणार आहे. हे तर लॉलीपॉपवर लॉलीपॉप आहे. तर काय म्हणे, आम्ही बोट चालवू आणि जहाज चालवू, सी प्लेन उतरावयाचे तेथून थायलंडला जायचे अशा प्रकारच्या घोषणा करणे बरोबर नाही. मा.महापौरजी सर्वप्रथम मी एका गोष्टीकरिता आपले अभिनंदन करतो. महानगरपालिकेच्या कर्मचा-यांना सातवे वेतन आयोगाबाबत बजेटमध्ये प्रावधान केले. या गोष्टीकरिता अभिनंदन परंतु आपण उपकार केले नाही. हा कर्मचा-यांचा हक्क होता त्यांना मिळायला पाहिजे होता. हे देत असतांना त्यांची थकबाकी जेव्हापासून द्यायला पाहिजे होती तेव्हापासून ते देण्याचे प्रावधान ठेवले नाही. सातवे वेतन आयोग लावतांना त्यांनी काय म्हटले की सातव्या वेतन आयोगाची थकबाकी आम्ही देणार नाही त्याकरिता त्यांनी काय उदाहरण दिले की महानगरपालिकेच्या संघटनेने एक पत्र दिले की आम्हांला थकबाकी नाही दिली तर चालेल परंतु आम्हांला सातवे वेतन आयोग द्यावा. मग जेव्हा महानगरपालिकेची मान्यता प्राप्त जी युनियन आहे त्यांनी माहिती अधिकारा अंतर्गत ते पत्र मागितले की असे आम्ही कोणते पत्र दिले ते सांगावे. ज्याच्या माध्यमातून आम्ही डिमांड केली नाही की आम्हांला थकबाकी दिली नाही तरी चालेल. ते पत्र आहे दिनांक 20.03.2013 चे, माहिती अधिकाराच्या अंतर्गत ते पत्र आम्हांला मिळाले. सुरेंद्र टिंगणे जे आहेत यांना ते पत्र लिहिले आहे. त्यात सरळ असे लिहिले आहे उपरोक्त माहिती अधिकाराच्या अंतर्गत अधिनियम 2005 दि. 13.03.2013 च्या अनुषंगाने आपण मागणी केली, महानगरपालिकेच्या कर्मचा-यांना सातवा वेतन आयोग लागू करतांना कृती समितीसोबत झालेला करारनाम्याची तसेच इतिवृत्ताची प्रत आपणांस पुरविण्यात येते तसेच कृती समितीने सातव्या वेतन आयोगाची थकबाकी मागणार नाही असे लेखी पत्र दिले नसल्यामुळे सदर पत्राची सत्य प्रतिलिपी उपलब्ध करून देता येणार नाही. याचा अर्थ काय होतो तर महानगरपालिकेच्या कोणत्याही युनियनने किंवा कोणत्याही संघटनेने अशी डिमांड केलेली नाही की आम्हांला थकबाकी देवू नका. मा.महापौरजी, माझ्याकडे काही डाक्युमेंट उपलब्ध आहेत, महानगरपालिकेची दि. 03.09.2018 ला एक आयुक्तांच्या कक्षमध्ये बैठक झाली होती. त्या बैठकीमध्ये काही विषय चर्चेला आले होते. मला आठवते, मा.दयाशंकर तिवारी ते जेव्हा स्थायी समितीचे अध्यक्ष होते त्यावेळेस थकबाकी देण्यासाठी त्यांनी 2 करोडचे प्रावधान केले होते. त्यानंतर अविनाश ठाकरे हे स्थायी समितीचे अध्यक्ष असतांना 5 करोड रूपयाचे प्रावधान केले होते. देण्याची इच्छा होती परंतु नंतर कुठे इच्छा गायब झाली तर आता कळेल. तर आयुक्तांच्या कक्षेत बैठक झाली होती. त्यात सहावे वेतन आयोगाची थकबाकी त्वरित देण्यात यावे अशी चर्चा झाली. त्या बैठकीतील चर्चेत आयुक्तांनी असे निर्देश दिले होते, आर्थिक उपलब्धतेनुसार देय रक्कम अदा केली जाईल त्याला प्रशासकीय मंजूरी आहे. दुसरे, एक बैठक दि. 30.10.2018 ला आयुक्त विरेंद्रसिंग असतांना सिव्हील कार्यालयात झाली. त्या बैठकीत निगम आयुक्त विरेंद्रसिंग यांच्या उपस्थितीत उपायुक्त नितीन कापडणीस, प्रमुख लेखा व वित्त अधिकारी मोना ठाकुर, युनियनचे टिंगणे, अशोक चहांदे असे उपस्थित होते. त्यांचे काही विषय चर्चेला गेले. महाराष्ट्र शासनाने महागाई भत्त्याच्या दरात वाढ केल्यानंतर महानगरपालिका महागाई भत्त्यात वाढ करीत

असते. परंतु मागील पाच-सहा वर्षांपासून महानगरपालिकेने त्याची थकबाकी दिलेली नाही. कर्मचारी व शिक्षक यावर निर्णय घेवून वाटप करण्यात यावे. अशाप्रकारे हा विषय होता. मग त्या विषयावर चर्चा झाली आणि मग तो निर्णय झाला. त्या निर्णयावरती निगम आयुक्तांनी आपला निर्णय दिला. त्यांनी असे सुचित केले. कर्मचा-यांचा महगाई भत्ता देण्याच्या संदर्भात टप्प्याटप्प्याने अदा करण्यात येईल अशा प्रकारचे निर्देश त्यावेळी त्यांनी दिले होते. दिनांक 22.12.09 रोजी असीम गुप्ता आयुक्त असतांना यांनी परिपत्रक काढले. त्यांनी परिपत्रकामध्ये सरळ उल्लेख केला होता. दिनांक 18.12.2009 महानगरपालिकेच्या कर्मचा-यांच्या विविध संघटना यांच्या बरोबर सहाव्या वेतन आयोगाच्या संदर्भात झालेल्या चर्चेच्या अनुषंगाने मा. महापौरजी यांनी दिलेल्या आदेशानुसार तसेच मनपाच्या सर्वसाधारण सभेचा ठराव क्र. 107 दि. 3.12.1972 नुसार सहाव्या वेतन आयोग मनपा शिक्षक व शिक्षकत्तोर कर्मचा-यांना लागू करण्याबाबत, तसेच सेवानिवृत्त कर्मचारी यांना निवृत्ती वेतनात माहे डिसेंबर 2009 ते पेड जानेवारी 2010 ला लागू करण्याची कार्यवाही करावी अशाप्रकारचे परिपत्रक काढले होते. ते परिपत्रक संबंधित सर्व विभागाला दिले होते. त्यानंतर प्रवीणजी दटके आणि संदीपजी जोशी यांनी एक ठराव आणला होता. दिनांक 12.04.2010 रोजी भरलेल्या सर्वसाधारण सभेमध्ये एक ठराव झाला होता. तो ठराव काय होता. तर मा.सदस्यांनी सादर केलेला ठरावास सभागृहाने मंजूर मंजूरच्या आवाजाने एकमताने मंजूरी प्रदान केली. म्हणजे त्या ठरावाला मंजूरी प्रदान केली आहे. मग ठराव काय आहे. तर मनपा ठराव क्र. 105 दिनांक 30.12.72 अन्वये महाराष्ट्र शासनाच्या धर्तीवर नागपूर महानगरपालिकेत कर्मचारी, शिक्षक व इतर शिक्षकोत्तर कर्मचारी वर्ग यांना शासनाकडून लागू होणारे वेतनमान, महगाई भत्ते व इतर सुविधा लागू करण्यास मंजूरी प्रदान केली असून ते महानगरपालिकेस बंधनकारक असल्यामुळे त्याच धर्तीवर सहावे वेतन आयोग लागू करण्यास ही महापालिकेची ही सभा एकमताने मान्यता प्रदान करते. सुचक होते प्रवीण दटके आणि अनुमोदक संदीप जोशी होते. त्यानंतर 8 जुलै 2010 ला एक आदेश निघाला. मा.महापौरजी यांच्या कक्षेत मा.महापौरजी, स्थायी समिती अध्यक्ष आणि कर्मचारी व शिक्षक संघटना यांची एक संयुक्त बैठकीत संपूर्ण चर्चा झाली. त्या चर्चेत सहावे वेतन आयोग 3 महिन्यांच्या आंत वित्तीय बाजू तपासून लागू करावे असा निर्णय झाला आणि त्यावेळी महापौर अनिलजी सोले, स्थायी समिती अध्यक्ष श्री. संदीपजी जोशी आणि निगम आयुक्त जैस्वाल साहेब होते. हा प्रश्न कर्मचा-यांचा आहे त्यांचा भविष्याचा आहे म्हणून मला बोलण्यासाठी आणखी दोन मिनिटांची वेळ द्यावी.

श्री.प्रवीण दटके:-मा.महापौरजी, माझी विनंती आहे काँग्रेसचा सगळाचा सगळा वेळ संदीप सहारे यांना देण्यात यावा.

श्री. संदीप सहारे:- तुमच्याकडे पाच तास आहेत त्यामधून पाच मिनिटांची वेळ देण्यात यावी.

श्री.प्रवीण दटके:-मा.महापौरजी, म्हणून माझी विनंती आहे. काँग्रेसचा सगळाचा सगळा वेळ कर्मचा-यांच्या प्रश्नासाठी संदीप सहारे यांना देण्यात यावा.

श्री.संदीप सहारे:- मा.महापौरजी, त्यानंतर एक अहवाल आला. नागपूर महानगरपालिकेतील सर्व नियमित कर्मचारी, शिक्षकांना व सेवानिवृत्त कर्मचारी यांना सहावा वेतन आयोग लागू करण्याच्या संदर्भात मा. आयुक्त यांचा आदेश क्र. 72/ओ अँड एम दिनांक 15.07.2010 नुसार सर्व वित्तीय बाबींचा आणि आस्थापना विषयक बाबींचा आढावा घेवून महानगरपालिकेतर्फे कोणकोणत्या बाबींमध्ये खर्च कमी करता येईल आणि उत्पन्नाचे दुसरे साधनांची उपाययोजना कशी करण्यात येईल यासाठी एक समिती गठीत करण्यात आली त्या समितीने निर्णय दिला. महाराष्ट्र शासनाने, राज्य शासनाच्या कर्मचा-यांना सहावे वेतन आयोग दि.01.01.06 रोजी लागू केला आहे. त्याच धर्तीवर महानगरपालिकेच्या कर्मचा-यांना राज्य सरकारप्रमाणे वेतन निश्चितीकरून वेतनमान देण्यात यावे.

वेतन निश्चितीकरून ही वाढ वेतन आयोग देण्याची शिफारस करीत आहे. ही थकबाकी देण्याचा असा अहवाल त्यावेळेस आला. ते अपर आयुक्त यांना माहीत होते. त्यांची स्वाक्षरी होती, त्यांचे नाव माहीत नाही. त्यानंतर दिनांक 25.10.2010 ला परिपत्रक निघाले मी हे कां सांगत आहे तर प्रशासन सहावे वेतन आयोग आणि सातवे वेतन आयोगाची थकबाकी देण्यासाठी तयार आहे. एक परिपत्रक निघाले, प्रमुख लेखा व वित्त अधिकारी यांच्या मार्फत सर्व विभाग प्रमुख आणि सहा.आयुक्त झोन कार्यालय, या परिपत्रकाचा असा विषय होता. नागपूर महानगरपालिकेत कार्यरत सर्व नियमित कर्मचारी आणि शिक्षकांना यांना सहावे वेतन आयोगाचे वेतनमान डिसेंबर 2010 ते पेड इन जानेवारी 2011 ला लागू करण्यात यावे त्यात त्यांनी स्पष्ट उल्लेख केला होता. अशा प्रकारचे परिपत्रक त्यांनी काढले होते. हे सर्व करीत असतांना दयाभैय्यांनी एकदा या सभागृहात एक विषय मांडला होता. तो प्रश्न क्र. 31 सहाव्या वेतन आयोगाच्या थकबाकीच्या संदर्भात होता. दयाभैय्यांनी आपल्या भाषणात उल्लेख केला होता. दयाभैय्यांचे भाषण म्हणजे फार मोठे राहते ते येथे वाचू शकत नाही. सभागृहाचा खुप वेळ जाईल. जो मुख्य उल्लेख केला ते मी सांगतो. मा. महापौरजी शिक्षकाचे शिष्टमंडळ आपल्याला भेटायला आले होते. त्यात विभागप्रमुखांनी सांगितले की आम्ही अध्यक्षांना पत्र दिले आहे त्यांनी सांगितले की एरियर्स दिले नाही तर ही बाब दिशाभूल करणारी आहे. दयाभैय्यांनी सांगितले की ही बाब दिशाभूल करणारी आहे. मागच्या अध्यक्षांनी पत्र दिले असल्यामुळे तुम्हांला एरियर्स देता येणार नाही. विभागप्रमुखांच्या अशा उत्तरामुळे अशी परिस्थिती निर्माण झाली होती. अशा प्रकारचा निर्णय होत असेल तर त्याचा खुलासा कोणत्याही शिक्षक संघटनेने केला नाही. शिक्षण संघटनेने अशा प्रकारचे पत्र दिले असे जाहीर केले होते. दयाभैय्यांनी त्याचा विरोध केला अशा प्रकारचे संभाषण या सभागृहामध्ये केले आहे त्याचे मिनिट्सचे वाचन मी या ठिकाणी केले आहे. मा.महापौरजी, आम्ही जरी नागपूर महानगरपालिकेच्या कर्मचा-यांच्या बाबतीत विचार करतो. उत्पन्न कमी होत आहे. आज आमच्या महानगरपालिकेमध्ये एकुण 13,000 च्या जवळपास कर्मचारी आहे. या 13,000 कर्मचा-यांपैकी 5006 कर्मचारी कार्यरत आहेत आणि 60 टक्के पद रिक्त आहेत. हे पद रिक्त असल्यामुळे जे उत्पन्न महानगरपालिकेला मिळायला पाहिजे ते मिळत नाही. मागच्या वेळेस मी सभागृहाच्या या सभागृहाच्या निर्दर्शनास आणून दिले होते. आमची जेव्हा मालमत्ता कराची जी पध्दत होती. जेव्हा आमचे 75 वार्ड होते आणि 75 वार्डाचे 150 वार्ड झाले. वार्डाची संख्या वाढत गेली आणि कर्मचा-यांची संख्या कमी होत गेली. कर्मचा-यांची संख्या कमी होत गेल्यामुळे उत्पन्न कसे वाढणार आहे. कर्मचा-यांची संख्या वाढविण्याची गरज आहे. 5006 कर्मचारी कमी झाले. 110 कोटीचा बोजा वाढणार आहे असे बजेटमध्ये तरतूद करतांना 110 कोटीचा बोजा राहिल असे सांगितले. मी आपणांस विनंती करतो, सहाव्या आणि सातव्या वेतन आयोगाची थकबाकी कर्मचा-यांना देण्यात यावी आणि त्यांना न्याय द्यावा. त्यांना थकबाकी देणार नसाल तर मी या बजेटचा विरोध करतो. आपण मला बोलण्यासाठी वेळ दिली त्याबद्दल आपले धन्यवाद.

श्रीमती हर्षला साबळे:-मा.महापौरजी, मा.स्थायी समिती अध्यक्ष, मा.आयुक्त महोदय, सर्व नगरसेवक नगरसेविका, सर्व अधिकारी व कर्मचारी वर्ग, पत्रकार बंधू, स्मार्टसिटी अंतर्गत आपण विकास, विकास आणि आतापर्यंत आपण विकासच करीत आलो. खरोखरच आता संपूर्ण शहराचा विकास झालेला आहे. आपण सर्व नागरिकांना ज्या मुलभूत सुविधा उपलब्ध करून द्यायला पाहिजे त्याच तर मिळत नाही. आम्ही ज्या प्रभागात राहतो त्या प्रभागात जीर्ण झालेल्या सिवर लाईनी आहेत. आपण त्याचा विकास केला पाहिजे असे मला तरी वाटते. वारंवारं सभागृहात सांगत असतांना हा अत्यंत गहन विषय आहे. आपण स्मार्ट सिटी म्हणतो तर खरोखरच स्मार्ट सिटी आहे काय? आपल्या सिवर लाईनचा विकास करणे गरजेचे आहे. आता मेट्रो आली आहे. आपण संपूर्ण शहराचा विकास

केलेला आहे परंतु याचा सुध्दा विकास करणे अत्यंत गरजेचे आहे. आपण सिमेंट रस्ते मोठमोठे बांधले परंतु जेव्हा शहरात पाऊस येतो तर पाणी जायला जागच राहत नाही. संपुर्ण शहरात पाणी साचलेले असते. संपुर्ण शहरात लोकांच्या घरी पाणी जाते तर याला विकास म्हणता येणार नाही. मा.महापौरजी, सत्तापक्ष नेता आणि तत्कालीन स्थायी समिती अध्यक्ष संदीप जोशी यांच्या कार्यकाळात माझे पती सुध्दा नगरसेवक होते. कॉटन मार्केट ते मोक्षधाम चौक आणि मॉडेल मील चौकपर्यंत सिमेंट रस्त्याचे काम झाले होते परंतु त्यामध्ये मॉडेल चौक ते एस.टी.स्टॅन्ड चौकपर्यंतचे काम झाले नसल्यामुळे उर्वरित काम बाकी आहे. या रस्त्यावर मोठ्या प्रमाणात वर्दळ असल्यामुळे हा रस्ता लवकरात लवकर पुर्ण करण्यात यावा. संपुर्ण शहराच्या मध्यभागी असलेला गांधी तलाव त्याला लागून असलेली खाऊ गल्ली पुर्ण खराब झालेली आहे. त्याकडे प्रशासनाचे लक्ष नाही. मी प्रशासनाला विनंती करते की ती खाऊगल्ली धुळ खात पडलेली आहे ती लवकरात लवकर चालू केली तर लोकांना रोजगार मिळेल. मी सभागृहाला विनंती करते की अधिका-यांनी त्याकडे लक्ष घालून तातडीने खाऊगल्ली चालू करावी आणि रोजगार उपलब्ध करून द्यावा अशी विनंती करते.

श्रीमती मंगला गवरे:-मा.महापौरजी, मा.उपमहापौरजी, मा.स्थायी समिती अध्यक्ष, मा.आयुक्त, सर्व सदन. मा. महापौरजी, नवीन वर्षाला 2019-20 चे अर्थसंकल्प मा.स्थायी समिती अध्यक्ष यांनी दोन दिवसापूर्वी या सभागृहामध्ये सादर केले आहे. या अर्थसंकल्पाचे समर्थन करण्याकरिता महानगरपालिकेच्या सदनात मी उभी आहे. महानगरपालिकेच्या ढासळलेल्या अर्थव्यवस्थेला पुर्नजीवित करण्याचे काम अर्थसंकल्पाच्याद्वारे मा.स्थायी समिती अध्यक्ष यांनी केलेले आहे. नवीन योजना या अर्थसंकल्पात आहेत. मा.महापौरजी, वृक्षरोपण आणि वृक्ष संवर्धनाकरिता 10 कोटी रुपयाची अर्थसंकल्पात तरतूद केली आहे. मा. महापौरजी, वृक्षरोपण आणि वृक्ष संवर्धन किती तत्परतेने केले जाते याचा अनुभव आपल्याला आहे. मला चिंता आहे या 10 कोटीच्या कामाचे नियोजन प्रशासनाद्वारे होईल की नाही. मा.महापौरजी, प्रशासन लक्ष देवून हे काम करेल असे उचित आदेश आपण द्यावे. मा.महापौरजी, रेन वॉटर हार्वेस्टिंग आणि सर्व झोनमध्ये अतिक्रमण पथक ह्या चांगल्या योजना अर्थसंकल्पात आहेत. मा.महापौरजी, अर्थसंकल्पामध्ये दर्शविलेला पैसा खर्च होतो परंतु काम व्यवस्थित होत नाही असा आम्ही आरोप करीत असतो. मी आपले लक्ष एक वेगळ्या मुद्दयाकडे वेधू इच्छिते, महानगरपालिकेमध्ये 12.04.76 प्रमाणे मंजूर पदापैकी किती कर्मचारी कार्यरत आहेत आणि किती पद रिक्त आहेत. याची आकडेवारी अर्थसंकल्पाच्या माध्यमातून घेणे आवश्यक आहे. आपल्याला आश्चर्य वाटेल आपल्याकडे क्लास वनची 214 पदे मंजूर आहेत त्यापैकी 111 कर्मचारी कार्यरत आहेत आणि 103 पदे रिक्त आहेत. क्लॉस टू च्या कर्मचा-यांचा विचार जर केला तर 61 पदे मंजूर आहेत आणि केवळ 11 लोक कार्यरत आहेत आणि 50 जागा रिक्त आहेत. मा.महापौरजी, क्लॉस थ्री कर्मचा-यांचा विचार केला तर एकुण 3800 मंजूर पदे आहेत आणि केवळ 1800 लोक कार्यरत असून 2000 पदे रिक्त आहेत. क्लास फोरच्या कर्मचा-यांची परिस्थिती यापेक्षा वेगळी नाही. यांची एकुण 2800 पदे मंजूर असून 1800 पदे रिक्त आहेत. आपल्या माध्यमातून आयुक्तांना विचारू इच्छिते या 30 लक्ष लोकसंख्या असलेल्या शहराचा गाडा आपण कसा चालवित आहात. केवळ 4 उपायुक्त आणि 4 अति. उपायुक्त ही पदे भरलेली आम्हांला दिसतात परंतु खाली सर्व सावळागोंधळ आहे. टॅक्स वसुलीचा मुद्दा जेव्हा आम्ही उपस्थित करतो तेव्हा उरलेल्या कर्मचा-यांना प्रेशर्राईज करून वसुली करण्यास सांगितले जाते. कमिशनर अॅडिशनल कमिशनरला सांगतात, अॅडिशनल कमिशनर डेप्युटी कमिशनरला सांगतात, डेप्युटी कमिशनर वार्ड ऑफिसरला सांगतात, वार्ड ऑफिसर कर्मचा-यांच्या बैठकी घेवून त्यांनी ऐसीतैसी करीत असतात. हे असे किती दिवस चालणार आहे. प्रत्येक महिन्याच्या 30 तारखेला सेवानिवृत्त कर्मचारी बरेच असतात. हे प्रशासन सुरळीत चालवायचे असेल आणि जनतेला सेवा

द्यावयाची असेल तर रिक्त असलेल्या जागा तातडीने भरण्याची आवश्यकता आहे. मा. महापौरजी, मा. आयुक्तांना विनंती आहे, आपण प्रशासन सशक्त करण्यासाठी यावर उचित कार्यवाही करावी. या रिक्त पदामुळे प्रशासन कसे कोसळते याचे उदाहरण मी देते. नेहरुनगर झोनमध्ये एका चपराशी माणसाला त्याची पात्रता नसतांना त्याचे देयकाचे काम असे महत्वपूर्ण काम दिले. त्याने काय केले असेल याची जाणीव आपल्याला नसेल म्हणून मी आपल्याला सांगत आहे. ठेकेदार लोक जे प्रोव्हीजन भरतात त्या पैश्याच्या खोट्या रसिदा त्यांनी दिल्या. ते पैसे बँकेत न भरता ते पैसे स्वतः जवळ ठेवून घेतले. हे अनेक दिवस चालत राहिले. कोणत्याही अधिका-याच्या ते लक्षात आले नाही. आताच डेप्युटी इंजिनिअर म्हणून नियुक्त झालेल्या अधिका-याला हे प्रकरण लक्षात आले. त्यांनी वरच्या अधिका-याला सर्व गोष्टी सांगितल्या असेल. याचा परिणाम असा झाला डेप्युटी इंजिनिअरनी या गोंधळामुळे सर्व वर्कआर्डर थांबविले त्यामुळे माझ्या प्रभागातील कामाचे वर्कआर्डर झाले नाही. मला हे कळत नाही सहा. आयुक्तांच्या नजरेत हे आल्यानंतरही या चपराश्याची कुठे तक्रार केली नाही. उलट हे प्रकरण दडपण्याचा प्रयत्न करण्यात आला. यात त्या चपराश्याचा काही दोष नाही. त्याला क्लर्कला त्या कामाची जबाबदारी माहीत नाही त्यामुळे आलेला पैसा त्याने बँकेत न भरता स्वतःच्या खिशात ठेवून घेतले की या सगळ्या पैश्यावर माझा अधिकार आहे. या चपराश्याला अनेक लोक शोधून राहिले. हा चपराशी कार्यालयात स्वतःच्या बायको पोराना घेवून येत आहे की त्याला कुणी मारू नये. माझा मुद्दा एवढाच आहे. प्रशासनामध्ये खाली असलेली रिक्त पदे जोपर्यंत भरत नाही तोपर्यंत अशी परिस्थिती सर्व झोनमध्ये होत राहिल आणि सर्व मिळून एकमेकांचे दोष लपवित राहतील. मा. महापौरजी, माझी विनंती आहे, नेहरुनगर झोनमध्ये सखोल चौकशी करावी आणि या चपराश्याला हे जे काम दिले आहे ते काढून शिक्षा दयावी. मी परत एकदा स्थायी समिती अध्यक्षांनी एक चांगला अर्थसंकल्प दिला त्याबद्दल त्यांचे धन्यवाद करते. मला बोलण्याची संधी दिली त्याबद्दल धन्यवाद.

श्री. संजय महाकाळकर:- मा. महापौरजी, मा. स्थायी समिती अध्यक्ष, सत्तापक्ष नेते, विरोधी पक्ष नेता आणि पत्रकार बंधू. दरवर्षीप्रमाणे जुन्याच परंपरेनुसार या वर्षी सुध्दा 3197.70 कोटीचा बजेट मा. स्थायी समिती अध्यक्ष यांनी येथे सादर केला. या बजेटमध्ये महसुली अनुदान स्वरूप 1294.14 कोटी, भांडवली अनुदान स्वरूप 305.25 कोटी, भांडवली खर्च 195 कोटी, मागील शिल्लक 399 कोटी आणि मनपाच्या इतर विभागाकडून प्राप्त होणारी रक्कम 1000.31 कोटी असे संपूर्ण करून 3197.70 कोटी या वर्षी येथे बजेट सादर करण्यात आले. परंतु मागील काही वर्षांच्या बजेटचा अभ्यास जर केला तर वर्ष 2014-15 मध्ये 1645 कोटीचे बजेट सादर करण्यात आले त्यावेळी 1064 कोटीचे उत्पन्न झाले आणि 781 कोटी कमी प्राप्त झाले होते. त्याचप्रमाणे सन 2015-16 मध्ये सुध्दा 1964 कोटीचा अर्थसंकल्प सादर करण्यात आला होता आणि त्या वेळेला देखील 1250 कोटीपर्यंत पोहचले होते आणि 714 ने कमी राहिलो. सन 2016-17 मध्ये 2048 कोटीचा अर्थसंकल्प सादर केला 1596 पर्यंत आणि 472 ने कमी राहिलो. सन 2017-18 मध्ये 2272 कोटीचा अर्थसंकल्प सादर केला उत्पन्न फक्त 1689.781 कोटीने कमी राहिलो. सन 2018-19 मध्ये 2946 कोटीचा अर्थसंकल्प सादर केला 1700 कोटीचे उत्पन्न आले आणि 918 कोटीने कमी राहिलो. हे वर्ष जे आहे हे निवडणुकीचे वर्ष आहे यामध्ये दोन मोठ्या निवडणुका होत असतांना 3197 कोटीचे मागच्या वर्षाच्या पेक्षा 257 कोटीने जास्त रक्कमेचे या नागपूर शहराच्या जनतेची दिशाभूल करणारे अर्थसंकल्प सादर केलेला आहे. मा. महापौरजी या बजेटमध्ये जर उत्पन्नाचे स्तोत्र बघितले तर नवीन प्रकारचे कोणतेही उत्पन्नाचे स्तोत्र या बजेटमध्ये दिसून येत नाही. मुख्यतः बजेटमध्ये रस्ते दुरुस्ती, डांबरीकरणाकरिता 204 कोटीची तरतूद आहे. सिमेंट रस्ता टप्पा 2-टप्पा 3 करिता 200 कोटीची तरतूद आहे. वस्तीतील खड्डे बुजविण्यासाठी 25.25 कोटीची तरतूद आहे. या सिमेंट रस्त्याच्या कामामुळे या रस्त्याच्या आजूबाजूला ड्रेनेजच्या ज्या नाल्या तुटलेल्या आहेत

त्याची सुध्दा दुरुस्ती करण्याची तातडीने गरज आहे. त्या कामाकरिता पावसाळी नाल्या बांधकाम व विस्तारीकरणाकरिता 9 कोटीचे प्रावधान आणि नाला बांधकामासाठी 9 कोटीचे आणि भुमिगत नालीसाठी 10 कोटीची तरतूद आहे. या निधीमध्ये निश्चित वाढ करण्याची गरज आहे. या संपुर्ण शहरामध्ये सिमेंट रस्त्यांचे मोठे प्रमाणात काम सुरु आहे. टप्पा-1 मध्ये झालेल्या सिमेंट रस्त्याच्या कामामध्ये रस्त्यावर ब-याच ठिकाणी भेगा आढळून आल्या आहेत. त्या कामाची गुणवत्ता तपासण्याकरिता अनेक लोकांची मागणी झाली होती. सिमेंट रस्त्याचे काम सुरु झाले, या कामाला आमचा विरोध नाही. परंतु ज्या ज्या भागामध्ये एक साईडने रस्ता झालेला आहे आणि दुसरा भाग होणे शिल्लक आहे. या सिमेंट रस्त्याला प्राधान्य देवून तो रस्ता पुर्ण करण्यात यावा जेणेकरून येण्या जाणा-या लोकांना रहदारीकरिता सोयीस्कर होईल. एक तुकडोजी पुतळा चौक ते मेडीकल चौकाकडे जाण्या-या सिमेंट रस्त्याच्या कामाची सुरुवात केलेली आहे. तुकडोजी पुतळा चौक ते क्रिडा चौकापर्यंत पुर्णतः रस्ता एक साईडला पुर्ण खोदून ठेवलेला आहे. तसेच तुकडोजी पुतळा ते मेडीकल चौकाकडे जाणारा रस्ता सुध्दा पाच-सहा दिवसापूर्वी खोदकामाला सुरुवात झालेली आहे. तुकडोजी पुतळा ते वंजारी टाकीकडे जाणारा रस्ता एक साईडला अपुर्ण स्थितीत आहे. या संपुर्ण दक्षिण भागामध्ये नागरिक राहतात. या परिसरातील नागरिकांना जर बर्डी किंवा मेडिकलला जाण्यासाठी हे मुख्य मार्ग आहेत त्यामुळे आपण किती प्रमाणात मुख्य रस्ते खोदून ठेवलेले आहे. नागरिकांना जाण्यायेण्यासाठी मोठ्या प्रमाणात अडथळा निर्माण होत आहे. या बजेटच्या माध्यमातून एक तरी रस्ता पुर्ण करून रहदारीसाठी नागरिकांना मोकळा करून दयावा मा.महापौरजी आपल्या माध्यमातून मी विनंती करतो. मा.महापौरजी, या बजेटमध्ये नगरसेवकांना मिळणारा जो निधी आहे 32.76 कोटी येथे प्रावधान केलेले आहे. प्रत्येकी नगरसेवक 21 लक्ष फक्त, हा निधी कमी आहे. कारण 4 वार्ड मिळून एक प्रभाग झाला आहे. त्या प्रभागामध्ये राहणा-या प्रत्येक लोकांना प्रत्येक नगरसेवकाकडून कामाची अपेक्षा असते. काम करीत असतांना 21 लक्षाचा निधी कमी पडणार आहे. या निधीमध्ये मा.स्थायी समिती अध्यक्षांनी वाढ केली पाहिजे अशी विनंती आहे. मा. महापौरजी, या बजेटमध्ये तलाव संवर्धनाकरिता 35.32 कोटीचे प्रावधान केले आहे. पुर्व नागपूरमध्ये लता मंगेशकर उद्यान आहे. हे उद्यान एनआयटीने तयार केले आहे. त्याचे मॅटेन्स होत नसून त्याची दयनीय अवस्था आहे. ते उद्यान महानगरपालिकेने स्वतःकडे घ्यावे. त्या उद्यानाची देखभाल दुरुस्ती आणि जबाबदारी स्वतःकडे घ्यावी. या बजेटमध्ये उल्लेख केल्याप्रमाणे या सक्करदरा भागात दक्षिण नागपूरमध्ये एकमेव सक्करदरा तलाव हा एनआयटीच्या अखत्यारित येत असून तो सुध्दा तलाव महानगरपालिकेने आपल्याकडे घ्यावा. तो भोसलेकालीन तलाव असल्यामुळे त्याकरिता विशेष निधी या बजेटमध्ये प्रावधान करून त्याची सुध्दा देखभाल, दुरुस्तीचे काम या बजेटच्या माध्यमातून केले पाहिजे. एक चांगली बाब बजेटच्या माध्यमातून स्थायी समिती अध्यक्षांनी निश्चितपणाने केली आहे. झोन स्तरावर स्वतंत्र अतिक्रमण विभाग त्यासाठी 60 लक्षाचे प्रावधान केलेले आहे. आपण एकीकडे स्मार्ट सिटी म्हणून संपुर्ण शहराचा विकास करीत आहे. या शहराचा विकास झपाट्याने होत आहे मात्र त्याच प्रमाणात या शहरामध्ये फुटपाथवर अतिक्रमण वाढलेले आहे. अस्थायी दुकानदार आपला मनमाने कारभार करीत कुठेही दुकाने लावीत आहे त्यांच्या संख्येत मोठ्या प्रमाणात वाढ होत आहे. या सर्व गोष्टीवर नियंत्रण आपल्या अतिक्रमण पथकामार्फत असले पाहिजे. दुसरी बाब म्हणजे, आपला अतिक्रमण विभाग 6.00, 6.30 वाजेपर्यंत काम करतो. बरेचदा असे दिसून येते की 6.00 नंतर लोक फुटपाथवर आपले दुकाने, ठेले आणून ठेवतात. तेथे येणारे जे नागरिक आहेत ते रस्त्यावर आपले वाहने पार्क करून ठेवतात त्यामुळे नागरिकांना मोठ्या प्रमाणात त्रास होतो आणि त्या ठिकाणी अपघात सुध्दा होतात. त्यामुळे सायंकाळनंतर नागपूर शहरात कोणत्याही प्रकारचे अतिक्रमण फुटपाथवर होणार नाही याची दक्षता या बजेटच्या माध्यमातून



पुर्णपणे घेतली पाहिजे. मा.महापौरजी, बजेटमध्ये जे महापालिकेचे उत्पन्नाचे स्त्रोत दाखविले आहे. महसुली उत्पन्न, भांडवली अनुदान या व्यतिरिक्त जर बघितले तर एक मोठी रक्कम मालमत्ता कराच्या स्वरूपात हे बजेट पुर्ण करण्याकरिता मिळणार आहे. मालमत्ता कराचा आपण विचार केला तर ज्या ज्या एजन्सी या शहरामध्ये मालमत्ता कर तपासून ज्या डिमांड नागरिकांना पाठविण्याची जबाबदारी यांना दिली आहे. चुकीच्या डिमांड त्या एजन्सीमार्फत पाठविल्या जात आहे. त्यांचे बांधकाम समजा 10 फुटाचे असेल तर त्याचे नकाशामध्ये 15-20 फुटाचे बांधकाम दाखवून फार मोठ्या प्रमाणात डिमांड पाठविण्यात आल्या आहेत. जे नागरिक मालमत्ता कर भरण्यास इच्छुक असून सुध्दा त्याचे करेक्शन आपल्यातर्फे होत नसल्यामुळे मालमत्ता कराचे उद्दिष्ट पुर्ण होण्यास फार मोठी अडचण निर्माण होणार आहे. नगर रचना विभाग, नगर रचना विभागामार्फत सुध्दा महानगरपालिकेच्या उत्पन्नात फार मोठा हातभार लागू शकतो. महानगरपालिकेच्या क्षेत्रामध्ये बांधकाम व्यावसायिक आहेत तसेच ज्यांना घराचे बांधकाम करावयाचे असेल जेव्हा तो महानगरपालिकेत नकाशा मंजूर करण्यासाठी जातो. आपण एक एक नकाशा तपासावा तर आपणास लक्षात येईल की नकाशा मंजूर करतांना इतका विलंब होण्यामागचे कारण काय? नगररचना विभागाने नागरिकांचे नकाशे जर तात्काळ मंजूर करून दिले तर निश्चितरूपाने त्या डिमांडच्या स्वरूपात या बजेटद्वारे जे उद्दिष्ट ठेवलेले आहे ते उत्पन्न मिळण्याचे काम होईल. मा.महापौरजी, मी मागच्या बजेटमध्ये सुध्दा एक सुचना केली होती. आपल्या महानगरपालिकेत नरसाळा आणि हुडकेश्वर नाविण्याने आले आहे. मी धन्यवाद करील या सुचनेच्या अनुषंगाने नागपूर क्षेत्रात नरसाळा आणि हुडकेश्वर नावे समाविष्ट करण्यात आली असून महाराष्ट्र प्रादेशिक नियोजन व नगररचना अधिनियम 1966 नुसार या क्षेत्राकरिता विकास योजना तयार करण्यात आलेली आहे आणि ती शासनास सादर आहे. परंतु शासनाकडून अंतिम मंजूरी न मिळाल्यामुळे यातून मिळणारे उत्पन्न थांबले आहे. मा.महापौरजी, शासन आपले, सत्ता आपली. सर्व आपले असतांना ज्या योजनेपासून महानगरपालिकेला मोठ्या प्रमाणात निधी मिळू शकते तर अशा योजना शासनासमक्ष का अडून आहे. त्या मागचे कारण शोधून ही योजना तात्काळ मंजूर करणे ही आपण जबाबदारी घेतली पाहिजे. मा.महापौरजी, नरसाळा, हुडकेश्वर या भागामध्ये 63.61 कोटीची पाणी पुरवठा योजना आणली आहे ही चांगली बाब आहे. परंतु फक्त पाणी पुरवठा योजना आणून होणार नाही तर सिवर लाईन आणि ड्रेनेज लाईनची सुध्दा त्या भागात गरज आहे त्या करिता सुध्दा बजेट मध्ये निधी उपलब्ध करून दिला पाहिजे. या बजेटमध्ये नाविण्यपुर्ण योजना नाहीत. या बजेटमध्ये उत्पन्नाचे नवीन स्त्रोत सुध्दा नाही त्यामुळे ह्या बजेटचा आकडा तिथपर्यंत पोहचणे हे मुश्किल आहे. हे बजेट हे शहरातील नागरिकांचे दिशाभूल करणारे बजेट आहे. मी या बजेटचा विरोध दर्शवितो आणि आपले भाषण संपवितो. धन्यवाद.

महापौर:-मा.सदस्य गण, जेवणाकरिता सभा स्थगित करण्यात येत आहे. अर्ध्या तासाची वेळ देण्यात येत आहे. 2.30 वाजता सर्व सदस्यांनी पुन्हा या ठिकाणी उपस्थित राहावे. मा.विरोधी पक्ष नेते, काँग्रेस पक्षाला जी वेळ देण्यात आली होती त्यापैकी 90 मिनिटे झालेली आहेत. सत्तापक्षाचे 55 मिनिटे झाली आहेत. बहुजन समाज पार्टीचे 24 मिनिटे झाली आहेत आणि शिवसेनेचे 7 मिनिटे झाली आहे. तर आता जेवणाकरिता ही सभा स्थगित करण्यात येते.

निगम सचिव  
नागपूर महानगरपालिका, नागपूर

महापौर(कार्यकारी)  
नागपूर महानगरपालिका, नागपूर

